महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 246 | उज्जैन, रविवार 15 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

जिंदगी खूबसूरत है तो जीने का अंदाज़ भी खूबसूरत ही होना चाहिए

बहनों को प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूहों से जोड़ना और मेहनत की सही कीमत देना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

बहनें मध्यप्रदेश की लक्ष्मी हैं, एक बगिया मां के नाम और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर बढ़ा रही हैं आय

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनें मध्यप्रदेश की लक्ष्मी हैं, अन्नपूर्णा हैं, उनके लिए जितना करें, उतना कम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार सदैव नारी कल्याण के लिए दृढ़ संकल्पित है। सनातन संस्कृति में नारी का स्थान सर्वोपरि है। महा शिवरात्रि के पावन पर्व से पहले प्रदेश की लाड़ली बहनों को 1500 रुपए सम्मान राशि की अद्भुत सौगात मिल रही है। बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में हमारी प्राथमिकता है कि बहनों को प्रशिक्षण मिले, उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए और मेहनत की सही कीमत मिले। बहनें एक बगिया मां के नाम योजना और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं। हमारी बहनें लखपति दीदी के साथ अब ड्रोन दीदी भी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित 5 लाख स्व-सहायता समूह के माध्यम से अब तक 62 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना में लाड़ली बहनों को योजना की

33वीं किस्त की सौगात देने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपए अंतरित किए। इस योजना में अब तक लाड़ली बहनों को 52,304 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन के बाद दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और लाड़ली बहनों पर पुष्प वर्षा कर प्रदेश के कल्याण के लिए उनका आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर खंडवा के चहुंमुखी विकास के लिए 608 करोड़ रुपए से अधिक के 13 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसमें 255 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं 353.82 करोड़ लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा जिले में 301 करोड़ लागत की निर्मित भाम सिंचाई परियोजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रयोगशाला और पंधाना के नवीन शासकीय सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति नारी प्रधान है। घर में माताओं-बहनों के हाथ में पैसे आएं तो वे उन्हें परिवार की सुख समृद्धि में लगाती हैं। बहनों की जिंदगी बदलने के लिए हमारी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार कपास आधारित उद्योग में काम करेंगी तो उन्हें 5 हजार रुपए महीना अलग से दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद परिवार की बेटियों का विवाह मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में हो रहा है। सामूहिक कन्यादान योजना में 55 हजार रुपए प्रति जोड़ा राशि दी जाती है। सनातन संस्कृति के 16 संस्कारों में विवाह संस्कार सबसे बड़ा संस्कार है। यह परिवार में अमरता का संस्कार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार पात्र हितग्राही परिवार की बेटियों के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था करा रही है, जिससे वे पढ़-लिखकर प्रदेश और परिवार का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना में प्रदेश की 25 लाख बहनों को 111 करोड़ की राशि भी निरंतर भेजी जा रही है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रदेश की 7 लाख से अधिक हितग्राहियों बहनों को 385 करोड़ की राशि दी गई है।

खेती में महिलाओं की भागीदारी से सशक्त होगी अर्थव्यवस्था- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

चार लाख करोड़ से बदलेगी शहरों की तस्वीर, 25 फीसदी बजट देगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने देश के शहरों को विकसित भारत की ओर बढ़ाने के लिए बड़ा और महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। साउथ ब्लाक की आखिरी कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक लाख करोड़ रुपये के अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) को मंजूरी दी है। इससे पांच वर्षों में शहरी क्षेत्रों में चार लाख करोड़ रुपये निवेश का रास्ता खुलेगा। महत्वपूर्ण यह कि शहरी विकास अब सिर्फ सरकारी अनुदान पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि बाजार से धन जुटाकर, निजी भागीदारी बढ़ाकर और सुधारों के आधार पर कायाकल्प किया जाएगा। यह पहल बजट में घोषित उस नजरिए को जमीन पर उतारने का प्रयास है, जिसमें शहरों को आर्थिक विकास का केंद्र, रचनात्मक पुनर्विकास और स्वच्छता सुधारों पर जोर दिया गया है। जाहिर है शहरों को केवल बसावट का केंद्र नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश और आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की पहल है। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि योजना के तहत परियोजना की लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार देगी। शर्त है कि कम से कम 50 प्रतिशत धन बाजार से जुटाया जाएगा। इसमें नगरपालिका बॉन्ड, बैंक ऋण और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) जैसे तरीके होंगे। बाकी 25 प्रतिशत राशि राज्य सरकारें, केंद्र शासित प्रदेश या शहरी स्थानीय निकाय जुटाएंगे। इस मॉडल से कुल निवेश चार लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह कोष वित्त वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक लागू रहेगा, जबकि क्रियान्वयन की अवधि 2033-34 तक बढ़ाई जा सकती है। परियोजनाओं का चयन पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी तरीके से किया जाएगा। यानी जो शहर बेहतर और असरदार प्रस्ताव लाएंगे, उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। परियोजनाओं का मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वे आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्तर पर कितना बदलाव ला सकती हैं।

मिट्टी की नमी की निगरानी करेगा निसार, हर 12 दिन में देगा डाटा

नई दिल्ली/ जीएनएस। इसरो ने शनिवार को कहा कि नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) भारत में हर 12 दिन में 100 मीटर रिजाल्यूशन में मिट्टी की नमी का डाटा उपलब्ध कराएगा। निसार का एस और एल बैंड भारतीय भूभाग को लगातार स्कैन कर रहा है। इससे हर 12 दिनों में हाई रिजाल्यूशन विस्तृत डाटा मिल सकेगा। इस डाटा से सिंचाई और सूखा प्रबंधन और फसल स्वास्थ्य की निगरानी में किसानों की मदद मिलेगी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि मिट्टी की नमी फसल स्वास्थ्य, सिचाई की आवश्यकताओं और सूखे के जोखिम काप्रमुख संकेतक है और यह भारत की कृषि और जल प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एस और एल बैंड डाटा का उपयोग कर देश के विविध कृषि-जलवायु क्षेत्रों- सिंचित मैदान, वर्षा आधारित खेती, अर्ध-शुष्क इलाकों और अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में मिट्टी की नमी का सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा। मिट्टी की नमी निकालने का एल्गोरिदम स्पेस एप्लिकेशंस सेंटर (एसएसी- इसरो) में विकसित किया गया है, जिससे डाटा की विश्वसनीयता और वैज्ञानिक सटीकता सुनिश्चित होती है। इसरो ने कहा, निसार मिट्टी की नमी की की लगभग रियल टाइम निगरानी करने में सक्षम है। निगरानी से सिंचाई योजना, सूखे से निपटने की तैयारी, कृषि-मौसम संबंधी सलाह और क्षेत्रीय जल संसाधन प्रबंधन में जिलों के लिए सहायता मिलेगी।

रेल से लेकर सड़क-सुरंग तकः केंद्र का मेगा प्लान, दिल्ली-अंबाला रेल खंड का भी होगा विस्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए रेल, सड़क, सुरंग और स्टार्टअप क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने कुल मिलाकर लगभग 58,171 करोड़ रुपये की योजनाओं को स्वीकृति दी है।

इनमें सबसे ज्यादा फोकस रेल परियोजनाओं पर है। इनमें दिल्ली-अंबाला रेल खंड पर तीसरी और चौथी लाइन बिछाने की योजना भी शामिल है। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन परियोजनाओं से यात्रा आसान होगी, माल ढुलाई की रफ्तार बढ़ेगी, लाजिस्टिक लागत घटेगी और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा।

कितने करोड़ रुपये होंगे खर्च- रेल मंत्रालय की जिन तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, उनपर करीब 18,509 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इनमें दिल्ली-अंबाला, कसारा-मनमाड और बल्लारी-होसपेट रेल खंड शामिल हैं। दिल्ली-अंबाला रेल खंड को उत्तर भारत की जीवनरेखा माना जाता है, क्योंकि इसी मार्ग से पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश की ओर जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनें गुजरती हैं।

तीसरी और चौथी लाइन बनने से ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकेगी और विलंब से चलने वाली समस्या कम होगी। इन परियोजनाओं से दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों में करीब 389 किलोमीटर रेल नेटवर्क का विस्तार होगा।

सूचना प्रसारण मंत्री के अनुसार लगभग 3,902 गांवों और करीब 97 लाख आबादी को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। निर्माण के दौरान लगभग 265 लाख मानव-दिवस रोजगार सृजित होंगे और अतिरिक्त माल ढुलाई की क्षमता विकसित होगी। इससे 22 करोड़ लीटर तेल आयात कम होने और 111 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन घटने का अनुमान है।

रेल परियोजनाओं के साथ ही सड़क परिवहन मंत्रालय की तीन अहम परियोजनाओं को भी मंजूरी मिली है, जिनकी लागत 11,079 करोड़ रुपये से अधिक है। महाराष्ट्र में एनएच-160ए के उन्नयन से नासिक और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों को राहत मिलेगी।

गुजरात में एनएच-56 को चार लेन में विकसित किया जाएगा, जिससे यात्रा समय में लगभग 40 प्रतिशत की कमी आएगी। तेलंगाना में एनएच-167 के चौड़ीकरण से हैदराबाद-पनाजी आर्थिक कारिडोर को मजबूती मिलेगी। स्टार्टअप क्षेत्र को भी प्रोत्साहन देते हुए 10 हजार करोड़ रुपये के स्टार्टअप इंडिया फंड आफ फंड्स 2.0 को मंजूरी दी गई है।

कनाडाई नागरिकों ने गलती से स्लीपर में बुक कर ली टिकट, वीडियो शेयर कर बोले- ये तो बहुत ही...

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत आए कनाडाई नागरिकों के लिए भारतीय रेल का सफर यादगार बन गया। इन नागरिकों ने गलती से स्लीपर में टिकट बुक कर ली थी, लेकिन यह गलती उनके लिए कई रोमांच लेकर आई। कनाडाई नागरिक किम ग्रीनवुड ने इंस्टाग्राम पर भारतीय ट्रेन में सफर का वीडियो पोस्ट किया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। किम ग्रीनवुड ने वीडियो में बताया कि उन्होंने गलती से स्लीपर क्लास का टिकट बुक कर लिया, यह सोचकर कि उन्हें और उनके ट्रैवलिंग पार्टनर को ज्यादा आराम मिलेगा। लेकिन, इन सात घंटों में उनका सफर एक अलग ही रास्ते पर चला गया। ग्रीनवुड ने कहा, मैंने जलगांव जंक्शन से चंद्रपुरा के लिए स्लीपर क्लास में सुबह की ट्रेन बुक की, जिससे हम आराम से सोते हुए जा सकें। लेकिन हमें भारत में ट्रेनों में उपलब्ध कई टिकट क्लास के बारे में और पढ़ना चाहिए। ग्रीनवुड ने बताया कि कुछ ट्रेनों में स्लीपर सीट 3ह्स्र क्लास में होती है, लेकिन हमें जल्दी ही पता चल गया कि भारत के स्लीपर क्लास में टिकट से आपको बर्थ मिलती है, लेकिन वह जगह कम्युनिटी की होती है।

कोयला खदान में हुआ धमाका, परिवार ने कर दिया था अंतिम संस्कार; फिर जिंदा घर लौट आया मजदूर

नई दिल्ली/ जीएनएस। मेघालय के ईस्ट जैंतिया हिल्स में 5 फरवरी को एक गैर-कानूनी कोयला खदान में जबरदस्त धमाका हुआ था। इस हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई थी। शवों की पहचान कर उन्हें परिवार को सौंप दिया गया था।

ऐसे ही एक मजदूर के परिवार ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया था, लेकिन इसके कुछ दिन बाद ही वह अपने घर जिंदा वापस लौट आया। उसे जिंदा देख परिवार को भी यकीन नहीं हुआ। अधिकारी भी हैरान रह गए कि जिस व्यक्ति का कुछ दिन पहले अंतिम संस्कार किया गया था, वह आखिर कौन था।

दरअसल 5 फरवरी को म्यंसंगट गांव के दूर थांगस्कू इलाके में एक ब्लास्ट हुआ। कथित तौर पर ब्लास्ट डायनाइट के इस्तेमाल से हुआ था। असेटमेंट टीम ने सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। शव बाहर निकाले गए और पहचान कर परिवार को सौंप दिए गए।

अब इतिहास का हिस्सा बनेगा साउथ ब्लॉक, सरकार बनाने जा रही नेशनल म्यूजियम

नई दिल्ली/ जीएनएस। करीब 95 वर्षों तक देश की सत्ता और शासन का केंद्र रहा साउथ ब्लॉक अब इतिहास का हिस्सा बनने जा रहा है। शुक्रवार शाम यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की आखिरी बैठक हुई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का साउथ ब्लॉक से नए बने सेवातीर्थ में औपचारिक रूप से स्थानांतरण हो गया।

सरकार ने इसे केवल दफ्तर बदलने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि शासन की सोच और संस्कृति में बदलाव का प्रतीक बताया है। रायसीना हिल्स पर स्थित साउथ ब्लॉक आजादी के बाद से ही प्रधानमंत्री कार्यालय का केंद्र रहा है। इस भवन ने देश के 16 प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल और अनेक ऐतिहासिक फैसलों को देखा है।

साथ ही यह भवन देश विभाजन की त्रासदी, कई युद्धों की चुनौतियां, आपातकाल का दौर, आर्थिक सुधारों की शुरुआत और डिजिटल युग की ओर बढ़ता भारत का भी साक्षी रहा है। साउथ ब्लॉक का अध्याय भले प्रशासनिक रूप से बंद हो रहा हो, लेकिन उसकी ऐतिहासिक भूमिका खत्म नहीं होगी।

खास होगा भारत का AI समिट, 40 बड़ी कंपनियों के CEO से मिलेंगे पीएम मोदी; सैम ऑल्टमैन और बिल गेट्स भी होंगे शामिल

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते नई दिल्ली में होने वाले AI Impact Summit के दौरान 35-40 बड़े कॉरपोरेट प्रमुखों से मुलाकात करेंगे। इनमें OpenAI के सीईओ सैम ऑल्टमैन, माइक्रोसॉफ्ट के शीर्ष अधिकारी, नेटफ्लिक्स, जूम और अमेजन के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में भारत में निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की रणनीति, रोजगार सृजन और सरकार के साथ सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इस समिट में एयरटेल के सुनील भारती मित्तल, टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, बिल गेट्स और Anthropic (एंथ्रोपिक) के डारियो अमोडेई जैसे दिग्गज भी मौजूद रहेंगे।

पिछले दिसंबर में माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में 17.5 अरब डॉलर (करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये) निवेश का ऐलान किया था। यह एशिया में उसका अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। यह घोषणा माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला की प्रधानमंत्री मोदी से नई दिल्ली में मुलाकात के बाद हुई थी।

इस निवेश का मकसद AI इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, क्लाउड क्षमता बढ़ाना और लाखों लोगों को डिजिटल स्किल्स में प्रशिक्षण देना है। सूत्रों के अनुसार, भारत को इस AI समिट के दौरान करीब 100 अरब डॉलर के निवेश प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है।

20 देशों के नेता होंगे शामिल- प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर 20 देशों के नेता इस समिट में शामिल होंगे। इनमें ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज जैसे प्रमुख नेता शामिल हैं।

इसके अलावा भूटान, श्रीलंका, स्विट्ज़रलैंड, यूएई, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और पूर्वी यूरोप के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। 45 से अधिक देशों के मंत्रीस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, संयुक्त राष्ट्र महासचिव और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह समिट तीन मुख्य सूत्रों- पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस पर आधारित है, जो AI को सहयोगात्मक और जिम्मेदार तरीके से आगे बढ़ाने की भारत की सोच को दर्शाता है।

राहुल गांधी चलाते हैं झूठ की फैक्ट्री, India-US ट्रेड डील को लेकर कांग्रेस पर भड़के अमित शाह

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका से ट्रेड डील को लेकर देश को बेच देने के राहुल गांधी के आरोप पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार करते हुए कहा, राहुल की नीति झूठ बोलने, जोर-शोर से झूठ बोलने और उसे दोहराने की है। लेकिन, लोगों ने उनकी झूठ गढ़ने वाली फैक्ट्री को पहचान लिया है।

शाह ने स्पष्ट किया कि ट्रेड डील में किसानों और मछुआरों के हितों से कोई समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के समय आतंकी हमले रूटीन बन गए थे। मोदी सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

अमित शाह ने राहुल गांधी को दिया जवाब- कराइकल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ व्यापार समझौता हमारे देश के मछुआरों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होने वाले हैं।

अमित शाह ने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे किसानों और पशुपालकों को शत-प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करने के लिए काम किया है। मनमोहन सिंह के शासनकाल में किसानों को नुकसान पहुंचाया गया था। कई ऐसे वैश्विक समझौते हुए जिनमें किसानों के हितों का सौदा किया गया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल के राजनीतिक दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि उन्होंने जनता को गुमराह करने के उद्देश्य से बयान दिए हैं।

इंदौर नगर निगम बनेगा भ्रष्टाचार में नंबर 1

सड़क बनी नहीं और बिल पास- यादव नंदनगर में कागजों पर सड़क, जमीन पर गड्ढे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम के जोन क्रमांक 4 के वार्ड 12 अंतर्गत यादव नंदनगर गली नंबर 2 में सड़क निर्माण को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। रहवासियों का कहना है कि वर्ष 2022 में सड़क निर्माण के नाम पर टेंडर जारी हुआ, भूमिपूजन किया गया और फाइलों में कार्य पूर्ण दर्शाकर बिल पास कर दिया गया, जबकि जमीनी हकीकत में सड़क आज भी नहीं बनी है। गली में जगह-जगह गड्ढे, कीचड़ और टूटी हुई सड़क लोगों की परेशानी का कारण बने हुए हैं।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार जनवरी 2022 में माही इंटरप्राइजेज नामक फर्म को सड़क निर्माण का ठेका दिया गया था। नगर निगम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दस्तावेजों में काम पूरा दिखाकर भुगतान भी स्वीकृत कर लिया गया। रहवासियों का आरोप है कि फाइलों में सड़क तैयार हो गई, लेकिन मौके पर निर्माण कार्य शुरू तक नहीं हुआ। बरसात के दौरान स्थिति और भी खराब हो जाती है। घरों में पानी भर जाता है और दोपहिया वाहन निकालना भी मुश्किल हो जाता है। लोगों का कहना है कि जनता के टैक्स की राशि का दुरुपयोग हुआ है।

रहवासियों ने बताया कि इस गली में आखिरी बार वर्ष 2005-2006 में सड़क का निर्माण हुआ था। उस समय तत्कालीन पार्षद के.के. यादव के कार्यकाल में कॉलोनीवासियों ने स्वयं पांच-पांच बोरी सीमेंट देकर सहयोग किया था। इसके बाद संतोष गौर का कार्यकाल रहा और वर्तमान में सीमा डाबी पार्षद हैं, लेकिन नई सड़क का निर्माण अब तक नहीं हुआ। वर्ष 2022 में भूमिपूजन तो किया गया, पर उसके बाद निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ा। चुनाव के बाद वर्तमान पार्षद क्षेत्र में नजर नहीं आई, ऐसा स्थानीय लोगों का आरोप है।

रहवासियों का कहना है कि नगर निगम की फाइलों में सड़क निर्माण कार्य को पूर्ण दर्शाया गया है और भुगतान भी किया जा चुका हैं, इसके बावजूद 2006 के बाद से नई सड़क का निर्माण नहीं हुआ। गली की मौजूदा स्थिति देखकर यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि यहां हाल ही में कोई निर्माण कार्य हुआ हो।

अब बड़ा सवाल यह है कि यदि कागजों में सड़क बन चुकी है तो जमीन पर उसका अस्तित्व क्यों नहीं है। स्थानीय लोग मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते कदम नहीं उठाया तो वे इस मुद्दे को उच्च अधिकारियों तक ले जाएंगे। फिलहाल यादव नंदनगर के रहवासी बदहाल सड़क और व्यवस्था से परेशान होकर न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

भ्रष्ट आचरण पर सख्त कार्रवाई, प्रधान आरक्षक राजेश जायसवाल सेवा से पदच्युत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस द्वारा लापरवाह, भ्रष्ट एवं अनुशासनहीन पुलिसकर्मियों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एक और पुलिसकर्मी पर कठोर विभागीय कार्रवाई करते हुए उसे सेवा से पदच्युत कर दिया गया है। दिनांक 26 जनवरी 2026 को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें इंदौर ट्रैफिक पुलिस के प्रधान आरक्षक क्रमांक 2244 राजेश जायसवाल द्वारा ड्यूटी के दौरान चालान के नाम पर पैसे लेने का उल्लेख किया गया था। वीडियो सामने आने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए विभागीय जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित प्रधान आरक्षक द्वारा भ्रष्ट आचरण प्रदर्शित किया गया तथा पदीय कर्तव्यों के विपरीत आचरण करते हुए पुलिस विभाग की छवि धूमिल की गई। आरोप प्रमाणित होने पर डीसीपी ट्रैफिक इंदौर द्वारा कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए प्रधान आरक्षक राजेश जायसवाल को सेवा से पदच्युत का दंड दिया गया है। इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि विभाग में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के लिए किसी भी प्रकार की कोई सहनशीलता नहीं बरती जाएगी और भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

इंदौर में खिले अवसरों के फूल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप मध्यप्रदेश शासन द्वारा मनाये जा रहे कृषि वर्ष के उपलक्ष्य में शनिवार से ग्रामीण हाट बाजार ढक्कनवाला कुआं में एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत जिला स्तरीय दो दिवसीय सेमिनार एवं पुष्प प्रदर्शनी कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए प्रगतिशील पुष्प उत्पादक कृषकों ने लूज फ्लॉवर जैसे गेंदा, गुलाब, सेवंती, नवरंगा तथा कट फ्लॉवर जैसे एस्टर, डच गुलाब, जरबेरा, लिथियम, डेंजी, फ्लॉक्स, डायएन्थम, स्वीट विलियम, जिप्सी फ्लोरा, सनफ्लॉवर सहित बल्बस फ्लॉवर ग्लैडियोलस, रजनीगंधा और लिलियम की उन्नत प्रजातियों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में PMFME योजना से लाभांवित हितग्राहियों के मशरूम उत्पादन, कृषि मशीनरी एवं आधुनिक सिंचाई संयंत्रों के स्टॉल भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर उप संचालक उद्यान श्री टी.सी. वास्कले ने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कृषकों को अनुदान एवं प्रोत्साहन योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया। मार्केटिंग विशेषज्ञ श्री राकेश अग्रवाल ने उद्यानिकी फसलों की मार्केटिंग एवं निर्यात संभावनाओं पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री पी.जी. नाटकरणी ने उन्नत फूल खेती की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया। डॉ. पूजा पाण्डे ने मशरूम उत्पादन को अतिरिक्त आय के प्रभावी माध्यम के बारें में बताया। परियोजना संचालक आत्मा श्रीमती शरली थॉमस ने प्राकृतिक खेती के महत्व एवं उसके दीर्घकालिक लाभों पर जानकारी दी। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक श्री शुभम चौहान (आईआईटी रिटर्न) ने संरक्षित खेती के अंतर्गत शिमला मिर्च एवं खीरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों के अनुभव साझा किए। श्री अनिल पटेल ने जरबेरा, लिलियम एवं जिप्सी फ्लोरा की व्यावसायिक खेती की संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जबकि श्री लाखनसिंह गेहलोत ने

नवागत आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह ने कार्यभार ग्रहण किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी श्री मनीष सिंह ने गुरुवार को आयुक्त जनसंपर्क एवं प्रबंध संचालक, म.प्र. माध्यम के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वे परिवहन सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। आयुक्त जनसंपर्क और प्रबंध संचालक माध्यम ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुँचाना विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस दिशा में समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे। आयुक्त जनसंपर्क और प्रबंध संचालक माध्यम श्री सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जनहित के कार्यक्रमों के प्रभावी प्रचार-प्रसार और समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल दिया।

वृद्धावस्थाजन्य रोग निवारण के लिए आयुष स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में जिला प्रशासन, संचालनालय आयुष विभाग भोपाल, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय भोपाल तथा आयुष विभाग इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में वृद्धावस्थाजन्य रोग निवारण शिविर का आयोजन किया गया। समाज कल्याण परिसर परदेशीपुरा में स्थित आस्था वृद्धजन सेवा आश्रम में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधियों का वितरण किया गया। साथ ही वृद्धजनों के स्वास्थ्य के लिए योग, खेलकूद सहित अन्य गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि आश्रम में निवासरत 93 वृद्धजनों का ब्लड प्रेशर एवं रक्त शर्करा परीक्षण किया गया। जाँच उपरांत सभी को निःशुल्क आयुर्वेद एवं होम?योपैथी औषधियों का वितरण किया गया। डॉ. मनीष रघुवंशी एवं डॉ. पायल कंसोटिया ने स्वास्थ्य संवर्धन के उद्देश्य से वृद्धजनों को सरल योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। साथ ही मौसमी रोगों से बचाव हेतु उपयुक्त आहार-विहार संबंधी जानकारी प्रदान की गई। डॉ. घनश्याम डावर एवं दिनेश बंसल ने बताया कि शारीरिक एवं मानसिक स्फूर्ति को बढ़ावा देने के लिए छोटे-छोटे खेलों का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी वृद्धजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर के माध्यम से वृद्धजनों को समग्र स्वास्थ्य सेवाएँ, जागरूकता एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

थाना तेजाजीनगर पुलिस ने 24 घंटे में अंधे कत्ल का किया खुलासा, 6 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना तेजाजीनगर पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी महज 24 घंटे में सुलझाते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामूली कहासुनी के बाद रेनसिंह बारेला की हत्या कर शव को रालामंडल पुलिया के नीचे फेंक दिया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना का खुलासा किया और वारदात में प्रयुक्त डंडे, ऑटो रिक्शा, स्कूटी तथा फोर्स अरबेनिया वाहन जब्त कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 12 फरवरी 2026 को थाना तेजाजीनगर क्षेत्र में रालामंडल फॉरेस्ट ऑफिस के पास पुलिया के नीचे एक अज्ञात युवक का नग्न अवस्था में शव मिलने की सूचना मिली थी। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। बाद में मृतक की पहचान रेनसिंह पिता बालजी बारेला, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम तिल्हौर, स्थायी पता हसनापुर जिला गुना के रूप में हुई।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) अमित सिंह के निर्देशन में गंभीर अपराधों के शीघ्र खुलासे हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त जोन-1 कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मीना चौहान एवं सहायक पुलिस आयुक्त रविन्द्र बिलवाल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

जांच के दौरान 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। सीसीटीवी फुटेज में रात करीब 2 बजे एक ऑटो रिक्शा और स्कूटी को घटना स्थल की ओर जाते देखा गया। तकनीकी और मैदानी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मामूली विवाद के बाद उन्होंने मृतक के साथ मारपीट की, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। साक्ष्य छिपाने के लिए शव को ऑटो रिक्शा से ले जाकर रालामंडल पुलिया के नीचे फेंक दिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में विरेन्द्र उर्फ गोलू, लोकेश उर्फ लक्की, राजेश उर्फ राजा, किशोर, प्रवीण उर्फ नजरू और विष्णु उर्फ अन्ना शामिल हैं, सभी निवासी तिल्हौर खुर्द के बताए गए हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तेजाजीनगर देवेन्द्र मरकाम सहित पुलिस टीम और साइबर सेल के अधिकारियों का विशेष योगदान रहा। इंदौर पुलिस द्वारा महज 24 घंटे में अंधे कत्ल का खुलासा किया जाना त्वरित, तकनीकी और सटीक जांच का उदाहरण माना जा रहा है।

इंदौर में सघन पुलिस अभियान, संवेदनशील क्षेत्रों में चेकिंग और फ्लैग मार्च

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा आगामी त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा विशेष संयुक्त अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त जोनङ्क3 श्रीमान राजेश व्यास के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में संपादित की गई।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोनङ्क3 श्रीमान रामसनेही मिश्रा के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त संयोगितागंज श्री तुषार सिंह एवं थाना प्रभारी पलासिया श्री सुरेंद्र सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में थाना पलासिया, संयोगितागंज एवं छोटी ग्वालटोली पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बड़ी ग्वालटोली क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी गई।

बारह पत्थर हनुमान मंदिर चौराहा, तिलक नगर रोड स्थित मुक्तिधाम के समीप भेरू महाराज मंदिर प्रांगण, राम मंदिर चौराहा, विनोबा नगर स्थित जैन मंदिर, गीता भवन मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों तथा क्षेत्र के मुख्य एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर सायंकालीन औचक चेकिंग की गई। लगभग एक घंटे तक चले इस अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों एवं सार्वजनिक स्थलों पर आने-जाने वालों की गहन जांच की गई।

मोटरयान अधिनियम के तहत नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चार चालानी कार्रवाई की गई। क्षेत्र में कानून का भय और सुरक्षा का विश्वास कायम रखने के उद्देश्य से बड़ी ग्वालटोली एवं विनोबा नगर क्षेत्र में पुलिस बल द्वारा संघन भ्रमण करते हुए फ्लैग मार्च भी निकाला गया।

फ्लैग मार्च के दौरान क्षेत्र के लिस्टेड गुंडों एवं असामाजिक तत्वों की भी जांच की गई और उन्हें सख्त चेतावनी दी गई कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, शांति भंग करने या कानून व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास किया गया तो उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से बड़ी ग्वालटोली में मोहल्ला मीटिंग आयोजित कर युवाओं एवं स्थानीय रहवासियों को अवैध मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, नशे से दूर रहने और बढ़ते साइबर फ्रॉड से बचाव के उपायों के संबंध में जानकारी दी गई। नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार की संयुक्त कार्रवाइयां निरंतर जारी रहेंगी और आमजन की सुरक्षा के लिए पुलिस सदैव प्रतिबद्ध है।

परीक्षाओं के दौरान फर्जी एग्जाम पेपर के नाम पर साइबर ठगी से सावधान रहने की अपील

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बोर्ड एवं विभिन्न कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाओं के दौरान छात्रों की परीक्षा में आने वाले प्रश्नों और इम्पॉर्टेंट प्रश्नों को लेकर बढ़ती उत्सुकता का फायदा उठाकर साइबर अपराधी सक्रिय हो गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, मैसेज, कॉल, संदिग्ध लिंक और एपीके फाइल के माध्यम से परीक्षा के प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का झांसा देकर छात्रों और अभिभावकों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है।

साइबर अपराधी फर्जी मैसेज भेजकर दावा करते हैं कि उनके पास परीक्षा का असली पेपर या महत्वपूर्ण प्रश्न उपलब्ध हैं। कई मामलों में विद्यार्थियों को लिंक पर क्लिक करने या एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है, जिससे उनके मोबाइल फोन या बैंकिंग जानकारी हैक कर ली जाती है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

इसी प्रकार की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा साइबर एडवाइजरी जारी कर आमजन, विशेषकर विद्यार्थियों और अभिभावकों से सतर्क रहने की अपील की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार का पेपर सोशल मीडिया या अनजान लिंक के माध्यम से उपलब्ध नहीं कराया जाता और ऐसे दावे पूरी तरह फर्जी हैं।

पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया है कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज, लिंक या एपीके फाइल पर बिल्कुल भी क्लिक न करें, न ही अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी साझा करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन या निकटतम पुलिस थाने में सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और साइबर फ्रॉड से बचा जा सके।

इंदौर की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप आगामी सभी त्यौहार आपसी सद्भाव, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाए जाएंगे

कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में आगामी सभी त्यौहार शहर की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप आपसी सद्भाव, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाए जाएंगे तथा हर हाल में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। यह निर्णय आज कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई शांति समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, एसपी ग्रामीण श्रीमती यांगचैन भूटिया, एडीएम श्री रोशन राय मौजूद थे। बैठक में पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि इंदौर की पहचान भाईचारे, अनुशासन और सामंजस्यपूर्ण वातावरण के लिए रही है। सभी समुदायों के सहयोग से इस परंपरा को और सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि त्यौहारों के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए, आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती की जाए तथा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए वैकल्पिक मार्गों का निर्धारण किया जाए। नगर निगम को साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर विशेष मॉनिटरिंग की जाएगी तथा अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग हेतु निर्धारित समय-सीमा एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी समुदायों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा त्यौहारों को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने का संकल्प व्यक्त किया। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि इंदौरवासियों की जागरूकता और आपसी विश्वास ही शहर की सबसे बड़ी ताकत है।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंधात्मक आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें: एडीएम रोशन राय

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आगामी आयोजनों और वैवाहिक कार्यक्रमों के मद्देनज़र ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण को लेकर अपर जिला दंडाधिकारी (एडीएम) श्री रोशन राय ने आज मैरिज गार्डन, मैरिज हॉल एवं अन्य वैवाहिक स्थलों के संचालकों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

बैठक में एडीएम श्री राय ने कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे आदि) के संबंध में जारी प्रतिबंधात्मक आदेश की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय एवं शासन के निर्देशों के अनुरूप निर्धारित समय-सीमा और ध्वनि स्तर (डेसीबल) का कड़ाई से पालन किया जाना अनिवार्य है।

एडीएम श्री राय ने निर्देश दिए कि निर्धारित समयावधि के बाहर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। रात्रि 10 बजे के पश्चात ध्वनि उपकरणों का संचालन (विशेष अनुमति की स्थिति को छोड़कर) नहीं किया जाएगा। ध्वनि स्तर तय मानकों से अधिक नहीं होना चाहिए।

देर रात तेज आवाज में डीजे संचालन पर सख्त कार्रवाई, विजय नगर पुलिस ने प्यानो पब पर मारा छापा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में देर रात्रि अवैध रूप से तेज आवाज में डीजे संचालन के विरुद्ध पुलिस थाना विजय नगर ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए अपोलो प्रीमियम टावर स्थित प्यानो पब पर रेड की। पुलिस ने मौके से डीजे एवं साउंड सिस्टम जब्त कर संबंधित संचालक के विरुद्ध मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह द्वारा शहर में आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित समय के बाद डीजे संचालन करने वाले आयोजकों और संचालकों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के पालन में विजय नगर पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई।

दिनांक 13 फरवरी 2026 को रात्रि लगभग 11:30 बजे सूचना प्राप्त हुई कि प्यानो पब में अत्यधिक तेज ध्वनि में साउंड सिस्टम बजाया जा रहा है, जिससे आसपास के रहवासियों को परेशानी हो रही है। सूचना मिलते ही एसीपी विजय नगर पराग सैनी एवं थाना प्रभारी विजय नगर चंद्रकांत पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

पशुपतिनाथजी के दर्शन कराने वाले शिवदर्शनजी को भूलती मंदिर प्रबंध समिति-नंद किशोर जोशी

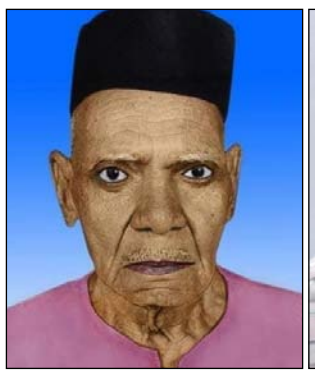

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हाल ही में मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में बने पशुपतिनाथ लोक का लोकार्पण प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री शिव (महाकाल) भक्त मोहन यादव द्वारा किया गया। पशुपतिनाथ लोक का निर्माण महाकाल लोक की तर्ज पर किया गया है। समाजसेवी नंदकिशोर जोशी ने आगे बताया कि 10 जून, मंदसौर के हिंदू महासभा के सक्रिय कार्यकर्ता शिवदर्शन लाल अग्रवाल को उदाजी कालू जी धोबी सूचना देते है कि शिवना नदी में चिमन चिश्ती की मस्जिद के इस पार रेती में एक विशाल मूर्ति है। नदी का पानी सूख जाने से मूर्ति रेती पर आड़ी पड़ी हुई थी और चेहरे दृष्टिगोचर हो रहे थे। मूर्ति को देखने के पश्चात शिवदर्शन लाल जी तह सील कार्यालय में हिंदूजनता के प्रतिनिधि की हैसियत से अपने एक साथी कार्यकर्ता भंवरलाल को लेकर ओकाफ समिति के अध्यक्ष तहसीलदार को मूर्ति कब्जे में लेने हेतु आवेदन देते हैं। तहसीलदार मूर्ति को कब्जे में लेने एवं पूजा हेतु मुनासिब प्रबंध करने की आज्ञा देते है।

ओकाफ कमेटी की अनुमति प्राप्त होते ही महावीर व्यायाम शाला के स्वयं सेवको तथा सैकडो नागरिकों ने अभियान छेड़ दिया। रात भर पचे रहने पर सभी के परिश्रम (उस समय क्रेन नहीं थी) से शिवलिंग प्रतिमा को निकाला गया। इसे खींचने के लिये 14 बेल गाड़ियां लगाई गई। मार्ग में गाड़ी के टूट जाने पर सेठ लक्ष्मीनारायण गनेंड़ीवाल के यहाँ से लोहे का रनगाड़ा मंगवाया गया। गाजे-बाजे के साथ मूर्ति को शहर में विशाल जुलूस निकाल कर हजारों लोगों ने महादेव घाट से लगे बाबूजी (शिवदर्शन लालजी) के खेत पर स्थित नीम के वृक्ष के नीचे अस्थाई रूप से विराजमान की।

मूर्ति का संरक्षण और बाधाएं झेली- शिवना नदी से प्राप्त शिव प्रतिमा 16 जून 1940 को तहसीलदार मंदसौर द्वारा बाबू श्री शिवदर्शन लाल अग्रवाल की सुपुर्दगी में दी गई। उनके खेत पर रखे जाने पर एक पक्ष द्वारा जिला कलेक्टर से कहा गया कि इस परिसर में रखे जाने पर अशांति की आकांक्षा है। कलेक्टर ने पुरातत्व विभाग के संचालक को मामला दे दिया। प्रशासन ने बोन शिवदर्शन लाल अग्रवाल का बुलाकर प्रशासन द्वारा समझाया गया कि प्रतिमा अन्यत्र भेज दें लेकिन वे सहमत नहीं हुए । फलतः 7 जुलाई 1941 को तहसीलदार मंदसौर में एक आदेश पत्र दिया कि इस प्रतिमा को एक माह के अंदर उसी स्थान पर वापस लेजाकर रख दें जिस स्थान से उन्हें सुपुर्द की गई थी। कलेक्टर द्वारा 19 जुलाई 1941 को पुनः मूर्ति लौटाने के संबंध में आदेश पत्र जारी किया गया। इसपर मंदसौर की धर्मप्राण जनता में आक्रोश की लहर फैल गई। 26-जुलाई 1941 को जनकपुरा बडाचौक में हिंदू महासभा की विशाल आमसभा हुई। आमसभा ने आदेश निरस्त करने की मांग की। इसी दिन नागरिकों ने प्रदर्शन निकालकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया। जन आक्रोश को देखते हुए प्रतिमा को खेत से हटाने का इरादा प्रशासन को ठंडे बस्ते में डालना पड़ा। प्रतिमा खेत में ही रही, इसकी रक्षा में बाबूजी को कई बार धमकिया झेलना पड़ी, लेकिन वे सर पर कफन बांध कर इसकी रक्षा करते रहे। शासन तथा प्रशासन की ओर से परेशानियों का पहाड खड़ा होता रहा। शिवदर्शनजी अटल इसलिये रह सके, क्योंकि वे दृढनिश्चयी थे और उन्हें मंदसौर की जनता का अपार समर्थन था। वर्ष 1940 से वर्ष 1961 तक मूर्ति का संरक्षण किया। वर्ष 1946 में मंदसौर की प्रलयंकारी बाढ़ के समय ग्वालियर नरेश जीवाजी राव सिंधिया मंदसौर पधारे, मूर्ति की प्रतिष्ठा संपन्न करवाने हेतु उनसे निवेदन किया गया, प्रतिमा दर्शन हेतु घोड़े पर पहुंचने का प्रयास किया, लेकिन घोड़ा दलदल में फंस गया, उस समय शिवना नदी पर पुल नहीं% था। बाबूजी लगातार प्रयासरत थे कि मंदिर का निर्माण हो और एक मौका आया खानपुरा में केशव सत्संग भवन पर स्वामी प्रत्यक्षानंद जी चातुर्मास में प्रवचन करते थे एक दिन प्रवचन के बाद मेनपुरिया आश्रम लौट रहे थे, बाबूजी के निवेदन पर महादेव घाट स्थित मूर्ति के दर्शन कर भाव विभोर हो उठे और बाबूजी के निवेदन पर मूर्ति का प्रतिष्ठा का संकल्प ले लिया। 27 नवंबर 1961 को महादेव घाट परिसर में प्रत्यक्षानंद जी महाराज के कर कमलों से चबूतरे पर अष्टमूखी शिवलिंग की स्थापना मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हो गई। म.प्र. के योजना तथा सूचना उपमंत्री श्री सीताराम जाजू का इस अवसर पर मुख्य-अतिथि के रूप में सपत्नीक आगमन हुआ। 26 जनवरी 1968 को मंदिर के शिखर पर स्वर्णकलश मंडित किया गया, जिसका अनावरण राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने किया इस कलश के अम्बर पर पशुपतिनाथ जी के चार मुख तथा कमलअंकित है। कमल पर कलश स्थित है। कलश का कुल वजन एक क्विंटल है। इस पर 51 तोला सोना चढ़ा हुआ है । त्रिशुल पर दस तोला सोना मंडित किया गया है। इस अवसर पर राजमाता द्वारा बाबू शिव दर्शन जी को मानपत्र भी दिया गया। इसी दिन मंदिर समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष स्वामी प्रत्य सानंद जी थे तथा बाबूजी उपाध्यक्ष थे। 21 जनवरी 1962 मुख्य मंत्री कैलाश नाथ जी काटजू ने पशुपतिनाथ मंदिर निर्माण हेतु औपचारिक भूमि पूजन किया।

बाबूजी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने हेतु- पशुपतिनाथ महादेव की मूर्ति किसी म्यूजियम में नहीं होकर शिवालय में सस्थापित है। आज लाखों लोग पशुपतिनाथ की अद्वितीय एवं विश्व प्रसिद्ध मूर्ति के दर्शन कर पा रहे है तो इसका एक मात्र श्रेय बाबू शिव दर्शन लाल जी को है। इसके लिये 1940 से 1961 तक संघर्ष किया। बाबूजी के महत्वपूर्ण योगदान को मद्देनजर हमें 2 अप्रेल 1997 को पशुपतिनाथ मंदिर प्रबंध समिति की बैठक के निर्णय क्रं. 2 को देखना होगा। इस बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं पदेन अध्यक्ष श्रीमान केशर सिंह चौहान ने की थी, जिसमें 7 शासकीय पदाधिकारी एवं 4. अन्य सदस्य अधिवक्ता शिवमंगल सिंह कुलश्रेष्ठ, चौधरी ब्रह्मसिंह संयोजक, पं. रामनारायण शर्मा एवं वरदीचंद बसेर उपस्थित थे। बैठक में मंदिर परिसर में बाबू शिवदर्शन लाल जी की मूर्त्ति मंदिर कोश से बनवाकर मंदिर परिसर में लगवाने का निर्णय लिया गया था। बीते 28 वर्षों में मंदिर समिति द्वारा कोई प्रयास नहीं किये गये, यह आश्चर्य का विषय है। दैनिक ध्वज के संपादक श्री सुरेंद्र लोढ़ा ने 24 मार्च 1989 को इतिहास के एक अध्याय - बाबू शिवदर्शन लाल में लिखा था ÷आवश्यकता है कि मंदसौर में बाबू शिव दर्शन लाल अग्रवाल का एक स्मारक बनाया जाए। आपकी प्रतिमा की स्थापना महादेव घाट पर की जाना चाहिए। मंदसौर ऐसी श्रद्धांजलि अर्पित कर अपना कर्त्तव्य ही निर्वाह करेगा।

महाशिवरात्रि पर्व के पांच दिवसीय कार्यक्रम में शिव पार्वती विवाह को लेकर निकले मंगल कलश

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में शिव भक्तों द्वारा पांच दिवसीय महाशिवरात्रि पर्व पुरे जोर शोर से मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज दिनांक 14 फरवरी को दोपहर 2 बजे शिव पार्वती विवाह को लेकर स्थानीय बजरंग व्यायाम शाला से भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्ग नया बस स्टैंड तिलस्वां चौराहा पुराना बस स्टैंड विवेकानंद बाजार बापु बाजार जैन मंदिर चौधरी मोहल्ला अहिंसा पथ होते हुए तहसील कार्यालय के बाहर स्थित शिव मंदिर पर पहुंची जहां मंगल कलश की पुजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया।आज निकली भव्य कलश यात्रा मे नगर की सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। नगर में चल रहे महाशिवरात्रि पर्व को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह का वातावरण बना हुआ है। पुरा नगर दुल्हन की तरह सजा हुआ है। दिनांक 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भूत भावन भूतेश्वर नाथ शाही सवारी के साथ नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

भानपुरा पुलिस ने कार से 40 पेटी अवैध शराब जब्त की, दो आरोपी पकड़े

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भानपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक आर.सी. दांगी के नेतृत्व में गठित टीम में सउनि सुनिलसिंह तोमर व उनकी टीम व्दारा एक मारुती फ्रोन्क्स कार से 40 पेटी अवैध शराब पकड़ी है। इसकी कीमत 01 लाख 94 हजार रुपये आंकी गई है। मौके से दो आरोपी गिरफ्तार करना बताया गया है। घटना अनुसार 14 फरवरी को सउनि सुनलिसिंह तोमर को मुखबीर सूचना सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की मारुती फ्रोन्क्स कम्पनी की कार जिसके ग्लास पर काली फिल्म लगी है, में दो व्यक्ति अवैध देसी शराब बल्क मात्रा में भरकर 8 लेन गरोठ सीतामऊ तरफ से भानपुरा तरफ आने वाले है। सूचना पर मुखबीर व्दारा बताये स्थान पर मय फोर्स के पहुचा। जहा पर कार को आम रोड पर रोका। कार के चालक ने अपना नाम रघुवीर सिंह पिता भुवानी सिंह सौधिया उम्र 36 साल निवासी खेड़ा देवी सिंह थाना शामगढ का होना बताया। चालक के पास बैठे व्यक्ति का नाम विधमान सिंह पिता विक्रम सिंह सौधिया निवासी माकड़ी माताजी थाना शामगढ का होना बताया। कार की पीछे वाले दरवाजे व डिक्की खोलकर चेक करते उसमें अवैध शराब की पेटीया बल्क मात्रा में भरी होना पायी गई। जो देखते 34 पेटी देसी मसाला शराब व 6 पेटी देसी प्लेन शराब कुल 40 पेटी अवैध शराब कुल 360 बल्क लीटर अवैध शराब होना पायी गई। आरोपीगणो से शराब के लाने ले जाने के संबंध मे पुछताछ जारी है। इस सराहनीय कार्य में प्रआर महेन्द्रसिंह झाला, आरक्षक कमल प्रतापसिंह, रामचन्द्र मांडोतिया, बहादुर भुरिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

इन्दिरा कॉलोनी क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार चरम पर, मजदूर कल्याण समिति द्वारा कार्यवाही की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के इन्दिरा कॉलोनी वार्ड क्रमांक 2 (झुग्गी झोपड़ी) क्षेत्र में लंबे समय से संचालित हो रहे अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध अब स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। मजदूर कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष करण सिंह परिहार ने इस गंभीर मुद्दे को लेकर यशोधर्मन नगर थाना प्रभारी को एक शिकायती पत्र सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि विशेष रूप से संजय हिल्स और स्लेट पेंसिल क्षेत्र में अवैध शराब का व्यवसाय खुलेआम फल-फूल रहा है, जिसके कारण क्षेत्र की महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों में असुरक्षा का माहौल व्याप्त है। परिहार ने गहरा रोष जताते हुए कहा कि क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का निरंतर जमावड़ा लगा रहता है, जिससे वार्ड की शांति व्यवस्था पूरी तरह भंग हो चुकी है और स्थानीय लोग भय के साये में जीने को मजबूर हैं। समिति के अध्यक्ष ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का नियमित आना-जाना रहता है, इसके बावजूद अब तक इस अवैध कारोबार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया है। जानकारी होने के बाद भी कार्रवाई न होना पुलिस की भूमिका को संदिग्ध बनाता है। मजदूर कल्याण समिति प्रदेश अध्यक्ष श्री परिहार ने पुलिस प्रशासन अनुरोध किया है कि इस मामले की तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए और संबंधित व्यक्तियों पर प्रकरण दर्ज किया जाए ताकि क्षेत्र में पुनः शांति और कानून व्यवस्था स्थापित हो सके। इस शिकायत की प्रतिलिपि पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) रतलाम रेंज, जिला कलेक्टर मंदसौर और पुलिस अधीक्षक मंदसौर को भी भेजी गई है ताकि उच्च स्तर पर मामले का संज्ञान लिया जा सके।

रतलाम जिला अस्पताल में मिशन कोमल स्पर्श का प्रशिक्षण संपन्न न्यूबॉर्न स्क्रीनिंग के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम में नवजात शिशुओं के स्वस्थ भविष्य को सुनिश्चित करने हेतु मिशन कोमल स्पर्श की शुरुआत की जा रही है।

मिशन कोमल स्पर्श– एक ऐसा प्रयास, जो हर बच्चे को सुरक्षित, स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य देने के लिए समर्पित है। प्रारंभिक जांच–नवजात के भविष्य की पहचान।

मिशन कोमल स्पर्श संभागायुक्त उज्जैन संभाग श्री आशीष सिंह, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, तथा श्री अरबिंदो अस्पताल इंदौर डॉ विनोद भंडारी के सहयोग से जिले के सभी प्रसव केंद्रों में प्रारंभ किया जाना है। इसी क्रम में आज एम सी एच हॉस्पिटल रतलाम में श्री अरबिंदो अस्पताल की विशेषज्ञ टीम द्वारा रतलाम जिले के अन्य प्रसव केंद्रों के डॉक्टर एवं स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

मिशन कोमल स्पर्श के अंतर्गत नवजात शिशुओं में तीन प्रकार की बीमारियों-हाइपोथायरॉइडिज्म,कॉन्जेनिटल एड्रिनल हाइपरप्लेसिया (सीएएच) एवं जी6पीडी की जांच की जाती है। यह जांच जन्म के तुरंत बाद शिशु की एड़ी से केवल एक बूंद रक्त (हील प्रिक) लेकर की जाती है। समय पर जांच से इन बीमारियों की पहचान संभव है तथा समय रहते उपचार किया जा सकता है। यदि कोई शिशु जांच में पॉजिटिव पाया जाता है, तो उसका संपूर्ण उपचार मिशन कोमल स्पर्श के अंतर्गत श्री अरबिंदो अस्पताल द्वारा पूर्णतः निःशुल्क किया जाएगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से नीमच के किसानों पर मंडराया संकट

युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मन्नू बना बोले- सस्ती आयातित फसलों से लहसुन, सोयाबीन और अफीम उत्पादक होंगे प्रभावित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में नीमच युवा कांग्रेस ने जिले के किसानों के हितों को लेकर चिंता व्यक्त की है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनमोहनसिंह ÷मन्नू बना÷ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यदि भारतङ्कअमेरिका ट्रेड डील के तहत कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क में कटौती या छूट दी जाती है, तो इसका सीधा और नकारात्मक असर नीमच जिले की कृषि अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

मन्नू बना ने कहा कि नीमच जिला पूरी तरह कृषि पर आधारित है। यहां के किसान मुख्य रूप से लहसुन, सोयाबीन, गेहूं और अफीम जैसी नगदी फसलों की खेती करते हैं। जिले की बड़ी आबादी की आजीविका इन्हीं फसलों पर निर्भर है। यदि अमेरिका से सस्ती सोयाबीन, दालें या अन्य कृषि उत्पाद बड़े पैमाने पर भारतीय बाजार में प्रवेश करते हैं, तो स्थानीय मंडियों में भाव गिरना तय है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों को होगा, जो पहले से ही कर्ज और बढ़ती लागत से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में खाद, बीज, कीटनाशक और डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में यदि बाजार में आयातित सस्ती उपज आ जाती है, तो किसानों की लागत भी नहीं निकल पाएगी। इससे कृषि क्षेत्र में असंतोष बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने यह भी कहा कि नीमच की पहचान देश में मसाला उत्पादन, विशेषकर लहसुन और अफीम के लिए है। यदि आयात नीति में बिना सोच-समझ के बदलाव किए गए तो यहां की मंडियों में व्यापार प्रभावित होगा। स्थानीय व्यापारियों और कृषक परिवारों की आय घट सकती है। मन्नू बना ने केंद्र सरकार से मांग की कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से पहले राज्यों की सरकारों, किसान संगठनों और कृषि विशेषज्ञों से व्यापक चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना स्वागतयोग्य है, लेकिन यह सुनिश्चित होना चाहिए कि देश के अन्नदाता के हितों से समझौता न हो। मन्नू बना ने कहा कि सरकार को ऐसी नीति बनानी चाहिए जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी बढ़े और स्थानीय किसानों की आय भी सुरक्षित रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों के हितों को नजर अंदाज किया गया तो युवा कांग्रेस जिला स्तर पर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी और किसानों की आवाज को सशक्त तरीके से उठाएगी।

ट्रेड डील की चर्चा से मंडियों में गिरावट, 600 रुपए तक लुढ़के सोयाबीन के दाम

मन्नू बना ने दावा किया कि भारतङ्कअमेरिका ट्रेड डील का मामला सार्वजनिक होने के बाद कृषि उपज मंडियों में सोयाबीन के भाव में भारी गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सोयाबीन के दाम करीब 600 रुपए प्रति क्विंटल तक नीचे आ गए हैं, जिससे किसानों में चिंता का माहौल है। उनका कहना है कि यदि डील पर स्पष्टता नहीं आई तो बाजार में अस्थिरता और बढ़ सकती है, जिसका सीधा नुकसान किसानों को उठाना पड़ेगा।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया सीहोर जिला जेल का निरीक्षण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य ने सीहोर जिला जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसार बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया तथा जेल में बंदियों से जाति आधारित भेदभाव या इस प्रकार की भेदभावपूर्ण प्रथाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री आर्य ने सभी संबंधितों को निर्देश दिए कि जेल में किसी भी बंदी के साथ जाति आधारित भेदभाव न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

इसके साथ ही विधिक सहायता से अधिवक्ता नियुक्ति, अपील प्रस्तुति, जमानत आवेदन प्रस्तुति, जमानत के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों, सजा पूरी होने के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश ने बंदियों की समस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान बंदियो को उनके अधिकारों और विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स श्री शरद जोशी, श्री राजेन्द्र कुमार कुशवाह, श्री आसिफ खान, कु. एकता सेन एवं जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल एवं बंदी गण उपस्थित थे।

लाड़ली बहना योजना की लाभार्थी ज्योति सोलंकी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को दिया धन्यवाद

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रति माह प्रदान की जाने वाली राशि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लाभार्थियों के खातों में अंतरित की गई। योजना की लाभार्थी ज्योति सोलंकी निवासी रतलाम ने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें योजना की 1500 रुपये की राशि प्राप्त हो गई है।

ज्योति सोलंकी ने कहा कि हर माह मिलने वाली इस सहायता राशि से वे अपनी आवश्यकताओं को सहजता से पूरा कर पा रही हैं। इस योजना ने मुझे आत्मनिर्भर बनाया है और अब मुझे किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। उन्होंने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है और उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

स्कूलों में संचालित होने वाली बसों की चेकिंग की गई स्कूल बसों के चालकों एवं अटेंडरों के नेत्र परीक्षण किये गये

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के आदेशानुसार जिला परिवहन अधिकारी राजेश बिललोरें एवं कार्यालयीन स्टॉफ के द्वारा 14 फरवरी को जिले में स्थित स्कूलों में संचालित होने वाली बसों की चेकिंग की गई। जिसमें स्कूल बसों के परमिट, फिटनेस, बीमा, पी.यू.सी., आपातकालीन खिड़की व दरवाजे, एल.ई.डी., प्राथमिक उपचार पेटी, अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म सिस्टम, पैनिक बटन की जांच की गई एवं स्पीड गवर्नर को बारीकी से चेक किया गया जो चालू हालत में पाये गये। चेकिंग के दौरान अग्निशमन यंत्र को चलवाये जाकर चेक किया गया जो कि वैध अवधि में पाया गया। 03 स्कूल बसों में एच.एस.आर.पी प्लेट नहीं लगी पायी गई। इस कारण से 03 स्कूल वाहनों से समझौता शुल्क राशि रु 9000/- वसूल किये गये तथा 02 बसों में आपातकालीन खिड़की व दरवाजे के सामने सीट लगी पायी गई जिससे आपातकालीन स्थिति में उनका उपयोग किया जाना संभव नहीं था। इस कारण से 02 स्कूल वाहनों से समझौता शुल्क राशि रु 6000/- वसूल किये गये। इस प्रकार 05 स्कूल वाहनों से कुल समझौता शुल्क राशि रु 15000/- वसूल किये गये हैं। साथ ही स्कूल संचालकों को हिदायत दी गई की स्कूल वाहनों में पायी गई कमियों को दुरुस्त कराकर 05 दिवस में वाहन को भौतिक सत्यापन हेतु परिवहन कार्यालय में प्रस्तुत करें। वाहन प्रस्तुत नहीं करने पर उक्त वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम में उल्लेखित प्रावधानों के तहत पुनः कार्यवाही की जायेगी।

जिले में स्थित श्री चेतन्य टेक्नो स्कूल एवं नजम पब्लिक स्कूल के ट्रांसपोर्ट इंचार्ज श्री शेख रऊफ द्वारा ओजस आई हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. रिंकू राठा बंधेल के माध्यम से स्कूल बसों के 28 चालकों एवं बस अटेंडरों के नेत्रों का परीक्षण किया गया, जिसमें 23 चालक एवं अटेंडर नेत्र परीक्षण में फिट पाये गये एवं 05 चालक एवं अटेंडर को चश्मे के नंबर दिये जाकर उन्हें नंबर का चश्मा बनवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

आज पशुपतिनाथजी मंदिर में बंटेगी फरियाली खिचड़ी, आकाश दीपों से जगमगाएगा पूरा परिसर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भव्य आयोजनों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। आयोजन की तैयारियों पूर्ण कर ली गई है संस्था ने बताया कि आज 15 फरवरी, रविवार को प्रातः 11 बजे भगवान श्री पशुपतिनाथजी की राजभोग आरती और दर्शन के पश्चात, न्यास द्वारा भगवान पशुपतिनाथ को फरियाली खिचड़ी का नैवेद्य अर्पित किया जाएगा। इसके तुरंत बाद मंदिर परिसर में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं और शिवभक्तों के लिए प्रसाद वितरण का शुभारंभ होगा।

इस वर्ष आयोजन को और अधिक भव्य और प्रकाशमय बनाने के लिए न्यास द्वारा विशेष पहल की जा रही है। संध्या 7 बजे से मंदिर क्षेत्र के आकाश में स्काय लालटेन उड़ाए जाएंगे। सैकड़ों की संख्या में हवा में तैरते ये दीपक पूरे मंदिर क्षेत्र को अलौकिक आभा प्रदान करेंगे, जो भक्तों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। न्यास का उद्देश्य धर्म और सेवा के माध्यम से भक्तों को जोड़ना है। खिचड़ी वितरण के साथ-साथ इस बार आकाश दीपों का यह दृश्य अत्यंत मनमोहक होगा। श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास ने समस्त धर्मप्रेमी जनता और शिवभक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में आज भगवान पशुपतिनाथ मंदिर पहुँचकर दर्शन का लाभ लें, फरियाली खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण करें और शाम को होने वाले आकर्षक स्काय लालटेन उत्सव का आनंद लें।

जिला न्यायालय परिसर में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता हेतु परीक्षण शिविर संपन्न

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म. प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर की कार्ययोजना अनुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष सुश्री नीना आशापुरे की अध्यक्षता में 14 फरवरी को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जिला न्यायालय, परिसर ए डी आर रतलाम में आयोजित किया गया। शिविर जैन दिवाकर श्री अरबिन्दो हॉस्पिटल रतलाम एवं शासकीय मेडिकल कॉलेज रतलाम एवं जय कैला माता शैक्षणिक एवं सामाजिक कल्याण समिति रतलाम, लायंस क्लब समर्पण रतलाम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। उक्त शिविर में जनरल मेडिसिन, स्त्री रोग, जनरल सर्जरी, हड्डी रोग सर्वाइकल कैंसर, दंत एवं मुख्य कैंसर रोग, नेत्र रोग, नाक कान एवं गला आदि विशेषज्ञों द्वारा ब्लड प्रेशर, आरबीएस शुगर जांच, ई. सी. जी., सर्वाइकल कैंसर जांच, मुख का कैंसर, दांतों की सामान्य जांच, मोतियाबिंद एवं आंखों से संबंधित सभी जांचें करवाई गई।

कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री रामजी गुप्ता, विशेष न्यायाधीश श्री रवीन्द्र प्रताप सिंह चुण्डावत एवं न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री नीरज पवैया, जिला विधिक सहायता अधिकारी सुश्री पूनम तिवारी एवं समस्त न्यायाधीशगण सहित अरबिन्दों हॉस्पिटल की ओर से श्री आशुतोष श्रीवास्तव, असिस्टेंट मैनेजर डॉ. आनदं चंदेलकर, डॉ. सोनाली दत्त, डॉ. अनुराग चौधरी, डॉ. अतुल तिवारी, डॉ. माधवी माहेश्वरी, डॉ. श्री जैन कुमार, डॉ. नीलेश जैन, डॉ. प्रीति जाट, डॉ. काजल मालवीय, डॉ. रूचिका, डॉ. आयुशी, डॉ. विक्रम यादव, डॉ. अथम जनवाल, डॉ. सांघवी मंडल, डॉ. अर्पिता अरूण, डॉ. रिशिता, श्री सुशील कुमार, श्री शेरू हुसैन मंसूरी, सुश्री महिमा जाट, श्री रोहित कुमार त्रिपाठी, श्री रोहित सिंह राजपूत, डॉ. अपूर्वा दवे, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रतलाम की ओर से डॉ. विनय शर्मा, डॉ. शुभम जैन, डॉ. शेरूफिना उपस्थित थे।

सम्पादकीय

इलाज से वंचित गाँव, सुविधाओं से भरा शहर

भोर की हवा जब गाँव की सूनी गलियों में बहती है, तो वह केवल मिट्टी की गंध नहीं लाती, बल्कि अधूरी साँसों, टूटी उम्मीदों और अनकहे दर्द की कहानियाँ भी साथ लाती है। यहाँ सूरज हर रोज़ उगता है, पर स्वास्थ्य की रोशनी कभी नहीं पहुँचती। यहाँ जीवन जन्म लेते ही संघर्ष सीख लेता है, और बीमारी आते ही हार मान लेता है। किसी माँ की गोद में तड़पता बच्चा, किसी बुज़ुर्ग की काँपती देह, किसी युवा की बुझती आँखें–सब एक ही सवाल पूछते हैं, ÷क्या हमारा जीवन इतना सस्ता है?÷ इस गाँव में डॉक्टर नहीं हैं, दवाइयाँ नहीं हैं, इलाज नहीं है, लेकिन सत्ता के पास सुविधाओं का अंबार है। यह केवल अभाव की कहानी नहीं, बल्कि एक सुनियोजित उपेक्षा का दस्तावेज़ है। यहाँ बीमार पड़ना किसी अपराध से कम नहीं माना जाता। क्योंकि बीमार होने का मतलब है, कर्ज़ लेना, ज़मीन गिरवी रखना, या चुपचाप मर जाना। जब रात में किसी को तेज़ बुखार चढ़ता है, तो पूरा परिवार डर के साए में बैठ जाता है। मोबाइल नेटवर्क नहीं, एंबुलेंस नहीं, सड़कें टूटी हुई–और अस्पताल कई कोस दूर। गर्भवती महिला की प्रसव पीड़ा यहाँ जीवन की परीक्षा बन जाती है। कई बार बच्चे रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं, और कई बार माँ लौटकर नहीं आती। यह मौत प्राकृतिक नहीं होती, यह व्यवस्था की हत्या होती है। फिर भी इन मौतों का कोई रिकॉर्ड नहीं बनता, कोई आँकड़ा नहीं बढ़ता, कोई मंत्री बयान नहीं देता। वे चुपचाप मिट्टी में मिल जाती हैं, जैसे कभी थीं ही नहीं।

गाँव का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाहर से देखने में सरकारी उपलब्धि लगता है। नीली दीवारें, टूटा बोर्ड, जंग लगा ताला और भीतर सन्नाटा। यह इमारत इलाज का नहीं, धोखे का प्रतीक बन चुकी है। यहाँ कभी डॉक्टर नहीं आते, नर्सें महीनों गायब रहती हैं, और दवाइयाँ कागज़ों में दर्ज रहती हैं। मरीजों के लिए यह भवन केवल छाया देने वाला खंडहर है। कभी कोई निरीक्षण होता भी है, तो पहले से सूचना देकर। उस दिन ताले खुलते हैं, फाइलें सजती हैं, और झूठ सच बनकर प्रस्तुत होता है। निरीक्षक चले जाते हैं, और फिर वही वीरानी लौट आती है। यह स्वास्थ्य केंद्र नहीं, बल्कि सरकारी संवेदनहीनता का स्मारक है।

इसके ठीक विपरीत, गाँव की राजनीति विलासिता में डूबी रहती है। नेता जब आते हैं, तो धूल उड़ाती गाड़ियों का काफिला साथ लाते हैं। दस गाड़ियाँ, दर्जनों समर्थक, महँगे कपड़े और बनावटी मुस्कान। मंच से वे कहते हैं– ÷स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है।÷ नीचे बैठा बीमार किसान जानता है कि यह झूठ है। क्योंकि उसके बेटे की दवा के लिए पैसे नहीं थे, और नेता के पास नई कार के लिए थे। नेता के परिवार का इलाज बड़े शहरों के आलीशान अस्पतालों में होता है, विदेशों में होता है, लेकिन गाँव के लिए सिर्फ वादे होते हैं। सत्ता और जनता के बीच की खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि अब आवाज़ भी वहाँ तक नहीं पहुँचती।

सरकारी योजनाएँ यहाँ एक मज़ाक बन चुकी हैं। कागज़ों में सब कुछ है–मुफ्त इलाज, मोबाइल क्लिनिक, मातृत्व सहायता, पोषण अभियान। लेकिन ज़मीनी हकीकत में कुछ भी नहीं। बजट आता है, फाइलें घूमती हैं, टेंडर निकलते हैं, और पैसा रास्ते में ही गायब हो जाता है। कहीं भ्रष्टाचार निगल जाता है, कहीं लापरवाही मार देती है। जो कर्मचारी ईमानदारी से काम करना चाहते हैं, वे अकेले पड़ जाते हैं। उन्हें ट्रांसफर का डर दिखाया जाता है, दबाव में लाया जाता है, और अंततः खामोश कर दिया जाता है। सिस्टम ईमानदारी को दंड देता है, और बेईमानी को पुरस्कार। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार आम ग्रामीण बनता है। वह न मीडिया में है, न संसद में, न अदालत में। उसकी पीड़ा केवल उसके घर की चार दीवारों तक सीमित रहती है। वह इलाज के लिए अपनी भैंस बेच देता है, खेत गिरवी रख देता है, बेटी की पढ़ाई छुड़ा देता है। फिर भी कई बार इलाज नहीं मिल पाता। तब वह खुद को दोष देता है, किस्मत को कोसता है, भगवान से सवाल करता है। उसे कभी यह एहसास नहीं कराया जाता कि यह उसकी नहीं, व्यवस्था की विफलता है। उसे नागरिक नहीं, केवल सहनशील प्राणी बना दिया गया है। फिर भी, इस अँधेरे में कुछ दीपक अब भी जल रहे हैं। कोई युवा मोबाइल से वीडियो बनाकर सच्चाई दिखाता है, कोई सामाजिक कार्यकर्ता गाँव-गाँव जाकर जागरूकता फैलाता है, कोई माँ अपनी खोई संतान को आवाज़ बना देती है। ये लोग बताते हैं कि बदलाव अभी संभव है। लेकिन बदलाव तब आएगा, जब ग्रामीण खुद को कमजोर नहीं, जागरूक समझेगा। जब वह नेता से जाति नहीं, इलाज माँगेगा। जब वह शराब और राशन से ऊपर अस्पताल को रखेगा। जब वह वोट को केवल सौदा नहीं, हथियार बनाएगा। असल में, गाँव से डॉक्टर का गायब होना सिर्फ इलाज की कमी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा का पतन है। यह चीख-चीखकर बताता है कि विकास की रोशनी केवल महानगरों तक सीमित है, सुविधाएँ सिर्फ रसूखदारों की बपौती हैं, और आम आदमी का जीवन सत्ता की सूची में सबसे नीचे दर्ज है।

महाशिवरात्रि, चराचर में प्राण रूप में विद्यमान श्री शिव में लय होने का उत्सव

शिव जी एक महायोगी हैं और वे सदैव ही अपने आनंद में समाधि में लीन रहते हैं। वे समस्त चराचर में स्पंदन व प्राण स्वरूप उपस्थित होते हैं, अतः शिव तत्व आनंद के रूप में समस्त सृष्टि में व्याप्त रहता है। शिव का साक्षात् प्रत्यक्षीकरण तारों की टिमटिमाहट- रूपी डिमडिम में, ग्रहों के नृत्य में, सूर्य के प्रकाश में पृथ्वी की ऋतुओं के श्रृंगारयुक्त नाट्य में, चन्द्रमा की कलाओं में, विद्युत की क्रीड़ा में, वसंत की मंद सुगंधित वायु के झकोरों में, पुष्पों के हास्य में, समुद्र की तरंगों में, हिमपात के हिमकणों के नर्तन में, आंधी तूफानों की गति में, नदियों के कल-कल निनाद में, पर्वतों के श्रृंगार में, शस्य - श्यामा धरती के आंचल में . पक्षु पक्षियों की अठखेलियों में और मनुष्य की मस्तीभरी चालों में, सर्वत्र विद्यमान है। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने श्री शिव का वर्णन कुछ इस प्रकार किया है कि, मैं आपको बताना चाहूँगी कि श्री महादेव ही ज्ञान हैं, वे ही शुद्ध विद्या हैं-उच्चतम स्तर के पूर्णज्ञान। वही ज्ञान के स्रोत हैं। जो लोग विनम्र नहीं हैं, उन्हें शुद्ध विद्या प्राप्त नहीं हो सकती, जो अहंकारी हैं, अन्य लोगों से कोमलता, मधुरता एवं सुन्दरतापूर्वक आचरण नहीं करते उन्हें श्री महादेव का आशीर्वाद प्राप्त नहीं हो सकता। जीवन में वे कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं कर सकते। शिव जी के लिये बाह्य दिखावा महत्वपूर्ण नहीं है, केवल आध्यात्मिकता ही महत्वपूर्ण हैं। कोई भी बनावटी चीज़ उनके चित्त को आकर्षित नहीं करती, केवल व्यक्ति का देवत्व ही उन्हें आकर्षित करता है।

शिव होने का मतलब यह है कि सर्वथा दुनिया भर की जो हमारे अन्दर लोलुपता है, जो हमारे अन्दर नफ़रत है, उसे छोड़ देना ।

शिवजी का सारा ही अलंकार पाँच तत्वों से हो जाता है। वो अपने ऊपर सर्प को पाले हैं, सर्प शीतल होते हैं माने संसार का जितना भी दुष्ट, जितना भी विपरीत है, जितना भी संसार का दंश है, सबको अपने अन्दर समाये हैं। दुनिया भर का गरल वे पिए हुए हैं।

एक ओर तो शिव अत्यन्त करुणामय, असुरों एवं राक्षसों के प्रति भी अत्यन्त दयालु हैं परन्तु दूसरी ओर वे अत्यन्त कठोर हैं। लोग यदि पतनोन्मुख हो जाएं, आध्यात्मिकता को स्वीकार न करें, उनकी पवित्रता यदि पूर्णतया समाप्त हो जाए और विश्व में समस्याएं उत्पन्न करने वाली अनुचित गतिविधियों को लोग न त्यागना चाहें तो श्री शिव पूरे ब्रह्माण्ड का विध्वंस कर सकते हैं। शिव जी के लिए कहा जाता है कि वे बहुत सरल हैं और एक दम भोले हैं। इसलिए उनको जानना बहुत कठिन है। कुण्डलिनी का कार्य ही देवी का कार्य है। देवी ही इस चराचर सृष्टि को बनाती हैं और अन्त में आपके अन्दर कुण्डलिनी बनकर शिव तक पहुँचा देती है। शिव का पूजन करते वक्त याद रखना चाहिए कि शिव के गुण-धर्म हमारे अन्दर विकसित हुए या नहीं।

श्री माताजी प्रणित सहजयोग ध्यान में कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति की प्राप्ति के माध्यम से इस महाशिवरात्रि शिवजी के आनंद प्रेम व सौंदर्य की अनुभूति अवश्य प्राप्त करें।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए।

तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।

आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की ÷नई गंगा÷ तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका- इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी।

–ललित गर्ग

सब अंधकार मिट जाएगा - वैचारिक प्रदीप्ति और जिजीविषा का काव्य-संग्रह

साहित्य संगम बुक्स प्रकाशन मंडल द्वारा प्रकाशित साझा संकलन सब अंधकार मिट जाएगा समकालीन काव्य-क्षितिज पर एक ऐसी तेजोमय उपस्थिति है, जो निराशा के घनीभूत तिमिर के विरुद्ध शब्द-साधना का उद्घोष करती है। यह संकलन केवल कविताओं का पुंज मात्र नहीं है, अपितु मानवीय जिजीविषा और सृजनात्मक चेतना का एक ऐसा वैचारिक महाकुंभ है, जिसमें विभिन्न रचनाकारों की अनुभूतियाँ समाहित हुई हैं।

1. शीर्षक की सार्थकता और दार्शनिक अधिष्ठान- संकलन का शीर्षक सब अंधकार मिट जाएगा अत्यंत ही मार्मिक एवं गत्यात्मक है। यह उपनिषदों के तमसो मा ज्योतिर्गमय के मूल मंत्र का आधुनिक काव्यानुवाद प्रतीत होता है। यहाँ अंधकार केवल प्रकाश का अभाव नहीं है, वरन यह समाज में व्याप्त विसंगतियों, कुंठाओं, और जड़ता का प्रतीक है। संकलित रचनाएँ इस अंधकार को चीरकर एक नव-विहान की स्थापना करने का संकल्प व्यक्त करती हैं।

2. कथ्य की व्यापकता और भाव-तरंगें- इस संकलन के अंतस में उतरने पर हमें भावों की त्रिवेणी प्रवाहित होती दिखाई देती है। इसमें जहाँ एक ओर वैयक्तिक वेदना के स्वर हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक सरोकारों के प्रति एक तीक्ष्ण उत्तरदायित्व का बोध भी है।

सकारात्मकता का अन्वेषण- अधिकांश रचनाएँ हताशा के मध्य आशा की रश्मियों को खोजने का स्तुत्य प्रयास करती हैं।

यथार्थ का प्रकटीकरण - रचनाकारों ने समसामयिक विद्रूपताओं को अपनी लेखनी के माध्यम से अत्यंत प्रामाणिक एवं पारदर्शी रूप में उकेरा है।

3. भाषा-शिल्प और बिम्ब-विधान- साहित्य संगम बुक्स के इस संकलन की भाषा परिमार्जित एवं सुसंस्कृत है। रचनाकारों ने क्लिष्ट शब्दावली का प्रयोग इस प्रकार किया है कि वे भावों की गंभीरता को अक्षुण्ण रखते हुए पाठक के हृदय को स्पंदित करती हैं। शब्दों का चयन केवल वर्णनात्मक न होकर प्रतीकात्मक है, जो काव्य में एक विशिष्ट सौन्दर्यशास्त्रीय बोध उत्पन्न करता है।

4. संपादकीय सुघड़ता और मुद्रण वैभव- संस्थान की परंपरा के अनुरूप, प्रगति दत्त जी एवं संस्थान प्रमुख ने इस पुस्तक का संपादन भी अत्यंत वैज्ञानिक एवं विधागत शुद्धता के साथ किया गया है। नवांकुर रचनाकारों की प्रस्तुति में जो परिपक्वता दृष्टिगोचर होती है, वह संपादक मंडल के सूक्ष्म पर्यवेक्षण का प्रतिफल है। मुद्रण की गुणवत्ता और आवरण की कलात्मकता पुस्तक की संग्रहणीयता में अभिवृद्धि करती है। सब अंधकार मिट जाएगा वस्तुतः शब्द-शिल्पियों का एक ऐसा सामूहिक अनुष्ठान है, जो साहित्य की उर्वरता को अक्षुण्ण रखने हेतु प्रतिबद्ध है। यह साझा संकलन सिद्ध करता है कि यदि भावों में शुचिता और संकल्प में दृढ़ता हो, तो साहित्य के माध्यम से समाज का कल्याणकारी अभ्युदय सुनिश्चित है।

–अमित पाठक

यांत्रिक पाश्चात्य संस्कृति और भारत का संस्कृतिक, सनातनी उद्घोष

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैंद्य विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में %अतिथि देवो भव% और %वसुधैव कुटुंबकम% वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है।

–संजीव ठाकुर

साहसी व दृढ़ प्रशासक नहीं, जो व्यवस्था को चुनौती दे सकें

क्या दुनिया में किसी भी खेल का कोई ऐसा बड़ा आयोजन है, जिसमें कोई विवाद न हो? आधुनिक दौर में ऐसा होना लगभग असंभव है, जहां दर्शकों की संख्या और फॉलोअर्स की अहमियत किसी कहानी की सच्चाई से ज्यादा हो गई है। जब भी कोई विश्वस्तरीय आयोजन ऐसे देश में होता है, जो तथाकथित विकसित देशों के साथ अच्छे संबंधों में नहीं होता तो विकसित देशों का मीडिया हर बात पर सवाल उठाने लगता है। उन्हें आयोजन की मेजबानी का अधिकार कैसे मिला, स्टेडियम तैयार नहीं हैं, मीडिया के लिए सुविधाएं अच्छी नहीं हैं, मौसम खिलाड़ियों के अनुकूल नहीं होगा, खाना, यात्रा, खिलाड़ियों का गांव हर चीज की आलोचना की जाती है। ऐसा लगता है जैसे सिर्फ वही देश विश्व आयोजनों की मेजबानी कर सकते हैं और सफलतापूर्वक कर सकते हैं। क्या कभी किसी ने यह सवाल उठाया है कि टेनिस और गोल्फ में सिर्फ चार-चार मेजर ही क्यों होते हैं?

–धनंजय राजौरा

महाशिवरात्रिः इसी दिन हुई थी सृष्टि की शुरूआत

इसी दिन सृष्टि की शुरूआत हुई, इसी दिन शिव और पार्वती का विवाह हुआ, इसी दिन समुद्र से निकले विष को शिव ने पीकर दुनिया को अंधेरे से बचाया। महाशिवरात्रि भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। माघ फागुन फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का शाब्दिक अर्थ है शिव की महान रात। पुरातन कथाओं के अनुसार इस दिन शिव नृत्य या तांडव करते हैं। महाशिवरात्रि मनाने के पीछे कई कारण बताए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। ऐसा माना जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान अमृत के साथ हलाहल नामक विष भी पैदा हुआ था। हलाहल विष में ब्रह्माण्ड को नष्ट करने की क्षमता थी और केवल भगवान शिव इसे नष्ट कर सकते थे। भगवान शिव ने हलाहल नामक विष को अपने कण्ठ में रख लिया था। जहर इतना शक्तिशाली था कि भगवान शिव अत्यधिक दर्द से पीड़ित हो उठे थे और उनका गला नीला हो गया था। इस कारण से भगवान शिव नीलकंठ के नाम से प्रसिद्ध हैं। उपचार के लिए चिकित्सकों ने देवताओं को भगवान शिव को रात भर जगाये रहने की सलाह दी। शिव को आनंदित करने और जगाये रखने के लिए देवताओं ने नृत्य किए और संगीत बजाए। जैसे सुबह हुई उनकी भक्ति से प्रसन्न भगवान शिव ने उन सभी को आशीर्वाद दिया। शिवरात्रि इस घटना का उत्सव है जिससे शिव ने दुनिया को बचाया। विष पीकर शिव ने दुनिया को अंधेरे और निराशा से बचाया था। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारम्भ महाशिवरात्रि से ही हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग (महादेव का ही स्वरूप) के उदय से हुआ। इसी दिन भगवान शिव का विवाह देवी पार्वती के साथ हुआ था। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव व पत्नी पार्वती की पूजा होती हैं। यह पूजा व्रत रखने के दौरान की जाती है। यूं तो हर महीने यानि साल में 12 शिवरात्रि आती हैं लेकिन महाशिवरात्रि को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत के अलावा, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, वेस्ट इंडीज सहित अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाई जाती है। कश्मीर शैव मत में इस त्यौहार को हर-रात्रि भी कहा जाता हैं। शिव जिनसे योग परंपरा की शुरुआत मानी जाती है को आदि (प्रथम) गुरु माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस रात को ग्रहों की स्थिति ऐसी होती है जिससे मनुष्य में ऊर्जा का संचार होता है। इसे भौतिक और आध्यात्मिक रूप से लाभकारी माना जाता है इसलिए इस रात जागरण की भी परंपरा है। कई स्थानों पर महाशिवरात्रि की रात भजन-कीर्तन, जाप और अन्य धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। महाशिवरात्रि को महिलाओं के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। विवाहित महिलाएँ अखंड सौभाग्य, पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए व्रत करती हैं। ये भी मान्यता है कि महाशिवरात्रि का व्रत रखने से अच्छा जीवनसाथी मिलता है, शीघ्र शादी के योग बनते हैं इसलिए कुंवारी कन्याएं भी व्रत रखती हैं। अविवाहित महिलाएं भगवान शिव, जिन्हें आदर्श पति के रूप में माना जाता है जैसे पति के लिए प्रार्थना करती हैं। ये व्रत स्त्री-पुरुष कोई भी कर सकता है। महाशिवरात्रि का व्रत अमोघ फल देने वाला माना गया है।

महाशिवरात्रि का पर्व पूरे देश में भक्ति भाव और आस्था के साथ मनाया जाता है। भारत के अलावा नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान में भी इस दिन पूजा होती है। बांग्लादेश में सनातन धर्मावलम्बी भगवान शिव के दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने की मंशा से व्रत रखते हैं। कई बांग्लादेशी हिंदू इस खास दिन चंद्रनाथ धाम (चिटगांव) जाते हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं की मान्यता है कि इस दिन व्रत व पूजा करने वाले स्त्री-पुरुष को अच्छा पति या पत्नी मिलती है। नेपाल में पशुपति नाथ में महाशिवरात्रि पर भव्य कार्यक्रम होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर काठमांडू के पशुपतिनाथ मन्दिर पर भक्तजनों की भीड़ लगती है। चूंकि, नेपाल की सीमा भारत से लगती है और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, व्यापारिक और आर्थिक संबंध हैं इसलिए भारत से भी कई हिन्दु धर्मावलम्बी महाशिवरात्रि पर काठमांडू पहुंचते हैं।

मध्यपदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर शिव भक्तों का हुजूम उमड़ता है, यहां दिन भर पूजा-अर्चना होती है। जेओनरा, सिवनी के मठ मंदिर में व जबलपुर के तिलवाड़ा घाट नामक दो अन्य स्थानों पर यह त्योहार बहुत धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। दमोह जिले के बांदकपुर धाम में भी इस दिन लाखों लोगों का जमावड़ा रहता है। कश्मीर में कश्मीरी ब्राह्मणों के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। यह शिव और पार्वती के विवाह के रूप में हर घर में मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का उत्सव तीन दिन पहले से शुरू हो जाता है और महाशिवरात्रि के दो दिन बाद तक चलता रहता है। आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के सभी मंदिरों में महाशिवरात्रि उत्साहपूर्वक मनाई जाती है।

महाशिवरात्रि साल में एक बार आती है जबकि शिवरात्रि हर महीने या साल में 12 बार। ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन करोड़ो सूर्यों के समान प्रभा वाले लिंगरूप में प्रकट हुए थे। ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव होने से यह पर्व महाशिवरात्रि के रुप में मनाया जाता है। महाशिवरात्रि पर्व भगवान शिव के दिव्य अवतरण का मंगलसूचक है, भोलेनाथ के निराकार से साकार रूप में अवतरण की रात्रि ही महाशिवरात्रि कहलाती है। इस दिन व्रत करने मात्र से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। इस दिन शिव पूजा करने वालों को महादेव काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकारों से मुक्त करके परम सुख, शांति प्रदान करते हैं। महादेव और माता पार्वती की शादी हुई थी इसलिए महाशिवरात्रि को रात्रि काल में भोलेनाथ की बारात निकाली जाती है। हिन्दू विद्वानों की मानें तो शिव पुराण के अनुसार चतुर्दशी तिथि शिवलिंग का प्राकट्य और विवाहोत्सव के रूप में जानी जाती है, इसलिए ये तिथि शिव की प्रिय है। यही कारण है कि हर महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। इस दिन शिव पूजा करने वालों को वैवाहिक जीवन में सुख शांति और विवाह के लिए सुयोग्य जीवनसाथी पाने का वरदान मिलता है।

यूं तो देश के किसी राज्य में ज्योतिर्लिंग हैं या फिर शक्तिपीठ। इसके अलावा तीर्थ और धाम भी हैं। लेकिन देश में दो शहर ऐसे हैं जहां ज्योतिर्लिंग हैं और साथ ही शक्तिपीठ भी। मान्यता है कि जिन 51 स्थानों पर सती के अंग गिरे थे, वो स्थान शक्तिपीठ के रूप में पूजे गए। इन शक्तिपीठों में से दो ऐसे शक्तिपीठ हैं, जहां शिव के साथ ही शक्ति या शक्ति के साथ शिव के दर्शन का भी सौभाग्य प्राप्त होता है। ये दोनों ही भारत की प्राचीन नगरी यानि काशी और उज्जैन में स्थित है।

वाराणसी को बाबा विश्वनाथ की नगरी के नाम से जाना जाता है लेकिन इस पावन नगरी में शक्ति के पावन पीठ हैं। इनमें सबसे प्रमुख है मां विशालाक्षी का मंदिर, जो कि 51 शक्तिपीठों में से एक है। वाराणसी में स्थित इस मंदिर को दक्षिण वाली माता के नाम से जाना जाता है। मंदिर की बनावट से दक्षिण भारतीय कलाकृति देखने को मिलती है इसलिए इसे दक्षिण वाली माता का मंदिर भी कहा जाता है। मान्यता है कि वाराणसी में जहां पर माता का मंदिर है, वहां पर कभी भगवती सती का कर्ण कुंडल गिरा था। काशी स्थित इस शक्तिपीठ में माता विशालाक्षी की दो प्रतिमाओं के दर्शन करने को मिलते हैं, जिनमें से एक चल और दूसरी अचल मानी जाती है। यहां पर दोनों ही प्रतिमाओं का समान रूप से पूजा अभिषेक आदि होता है। माता का यह मंदिर काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग के पास ही मीरघाट मोहल्ले में स्थित है। मध्यप्रदेश की उज्जैयनी को लोग महाकाल की नगरी के नाम से जानते हैं, वहां पर द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक महाकालेश्वर भगवान के साथ हरसिद्धि माता के शक्तिपीठ के दर्शन का सौभाग्य भी प्राप्त होता है। उज्जैन स्थित माता के इस शक्तिपीठ के बारे में मान्यता है कि इसी स्थान पर भगवती सती की दाहिनी कोहनी गिरी थी। माता का यह पावन शक्तिपीठ महाकालेश्वर मंदिर के पास ही रुद्रसागर तालाब के पश्चिमी तट पर स्थित है। हरसिद्धि देवी के मंदिर की विशेषता यह है कि इसमें देवी का कोई विग्रह नहीं है, बल्कि सिर्फ कोहनी ही है, जिसे हरिसिद्धि देवी के रूप में पूजा जाता है। इस धाम में दो बड़े दीप-स्तंभ हैं, जिसे नर-नारी का प्रतीक माना जाता है। इसमें दाहिनी ओर का स्तंभ बड़ा है, जबकि बांई ओर का छोटा है इसे लोग शिव-शक्ति का प्रतीक भी मानते हैं। मान्यता है कि इस दीप स्तंभ पर दीप जलाने से मान्यता पूरी हो जाती है।

बारह ज्योतिर्लिंग (प्रकाश के लिंग) जो भगवान शिव के पवित्र धार्मिक स्थल और केन्द्र हैं। वे स्वयम्भू के रूप में जाने जाते हैं, जिसका अर्थ है स्वयं उत्पन्न। बारह स्थानों पर बारह ज्योर्तिलिंग स्थापित हैं। सोमनाथ- यह शिवलिंग गुजरात के काठियावाड़ में स्थापित है।

–मुस्ताअली बोहरा

नई व्यवस्था बनाने और नवाचार लाने में समय लगता है- राणा

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए पालक-शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता एवं सुधार हेतु 14 फरवरी को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय श्री कृष्णजीराव पवार स्नातकोत्तर महाविद्यालय,देवास में आईक्यूएसी के तत्वाधान में महाविद्यालय के कला,वाणिज्य,प्रबंध एवं विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए पालक-शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एस पी एस राणा के साथ मनीष पारीक वरिष्ठ अभिभाषक एवं विधायक प्रतिनिधि,डॉ.आर.एस.अनारे,डॉ.आर.के.मराठा, डॉ.बी.एस.जाधव, डॉ.दीप्ति ढवले और रजत राठौर द्वारा मंच साझा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन वंदन करके किया गया। तत्पश्चात अतिथियों और समस्त सम्मानीय अभिभावकों का स्वागत अभिनंदन किया गया। आयोजन के प्रथम चरण में डॉ. दीप्ति ढवले द्वारा महाविद्यालय का विस्तृत परिचय दिया गया जिसमें महाविद्यालय की स्थापना के साथ वर्तमान तक की सफलतम यात्रा की तस्वीर उकेरी। महाविद्यालय के शैक्षणिक, अकादमिक,सांस्कृतिक प्रशासनिक उपलब्धियों को साझा किया, सुविधा और संसाधन पर बात की और भविष्य की योजना से अवगत कराया। साथ ही डॉ.ढवले ने अभिभावक विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण हेतु सहयोग प्रदान करने हेतु आग्रह किया । डॉ. ढवले द्वारा बैठक में पालकों को महाविद्यालय की गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई ताकि पालक एवं शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से विद्यार्थियों का बेहतर भविष्य बनाया जा सके उनसे बच्चों की दिनचर्या,स्वास्थ्य सुरक्षा पर भी चर्चा की गई एवं इसके साथ छात्रवृत्ति, विभाग की योजनाओं, प्रतियोगी परीक्षा एवं अल्प कालिक रोजगार प्रशिक्षण की जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने कहा कि पालकों की सक्रिय भागीदारी एवं समन्वय से ही शिक्षकों की मेहनत सार्थक हो पाती है और विद्यार्थी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बेहतर परिणाम लाते हैं। निश्चित ही पालक शिक्षक बैठक सतत विकास के लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राप्त करने की ओर एक श्रेष्ठ प्रयास है। इससे न केवल विद्यार्थियों की शिक्षा में सुधार होगा वरन महाविद्यालय में एक स्वस्थ वातावरण निर्मित होगा जहां विद्यार्थी अपने उज्जवल भविष्य की ओर प्रशस्त होंगे।

आयोजन के द्वितीय चरण में विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता हेतु रजत राठौर द्वारा विचार प्रस्तुत किए। श्री राठौर ने बताया कि शासन और महाविद्यालय स्तर पर शैक्षणिक सुविधा के अलावा विद्यार्थियो के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक कार्य किए रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य हेतु महाविद्यालय द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर, कार्यशाला, गतिविधियाँ और कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की जिसमें उमंग कार्यक्रम, आनंदम सर्कल ,स्वास्थ्य और आत्महत्या रोक पर गठित बोर्ड की जानकारी, मानसिक जागरूकता के लिए पियर सपोर्ट ग्रुप आदि का विवरण और कार्य करने की प्रक्रिया सम्बन्धी आवश्यक जानकारी साझा की।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों के साथ संवाद करना था इसी तारतम्य में अभिभावक दिनेश उपाध्याय ने अपने विचार व्यक्त किये उन्होंने महाविद्यालय की व्यवस्था और प्राध्यापकों की कार्यशैली की प्रशंसा की साथ ही न्यून शुल्क में कोर्स की उपलब्धता की सराहना करते हुए बताया कि वर्तमान में महाविद्यालय में दी जा रही शिक्षा का कौशल संवर्धन के साथ रोजगार उन्मुख भी है अतः विद्यार्थियों को प्रतिदिन कक्षाएं में उपस्थित रहना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि विद्यार्थी समस्त सुविधाओ का लाभ लेकर अपने भविष्य निर्माण करें और नाम रोशन करें।

विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित मनीष पारीक ने अपने उद्बोधन में उनके छात्र जीवन पर प्रकाश डालते हुए जीवन में सफलता हेतु प्राध्यापकों के सहयोग और मार्गदर्शन के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता की बात है कि शिक्षक पालक बैठक एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह एक उत्तम पहल की जो स्वागत योग्य है। महाविद्यालय के पूर्व उपलब्धि पर चर्चा की। पालकों से आग्रह किया है कि महाविद्यालय में विद्यार्थी की उपस्थिति,उसके क्रिया-कलाप पर विशेष ध्यान दें ये हमारा भी उत्तरदायित्व है। विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य डॉ. एस. पी. एस राणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि नई व्यवस्था बनाने और नवाचार लाने में समय लगता है परिवर्तन शीघ्रता से या अचानक नहीं होता इसके लिए सभी को प्रतिबद्ध होना आवश्यक है। प्राचार्य ने महाविद्यालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं अंतर्गत पूर्व छात्र समिति की चर्चा की तथा पूर्व छात्रों को समिति की सदस्यता लेने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों से आग्रह किया कि महाविद्यालय से संबंधित सभी आवश्यक और महत्वपूर्ण जानकारियों को अपने परिचितों में साझा करें जिससे कि बच्चे सही दिशा में अपने अध्ययन को पूर्ण कर पाने में सक्षम बनें, अभिभावक बच्चे की ट्रैकिंग करें। प्राचार्य ने यह भी विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में देवास जिले के बच्चे महंगी पढ़ाई लिए बाहर नहीं जायेंगे इसके लिए महाविद्यालय की नवीन इमारत स्थापित करने के लिए प्राचार्य निरंतर प्रयासरत हैं समस्त उच्च अधिकारियों की ओर प्रस्ताव प्रेषित किये जा चुके हैं। इसी तारतम्य में प्राचार्य डॉ.राणा ने महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध बस सुविधा के बारे में जानकारी दी और बताया कि विद्यार्थियों को अपने अध्ययन में कोई कठिनाई नहीं हो इस हेतु महाविद्यालय द्वारा बस सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है यह सुविधा सप्ताह में 6 दिन निरंतर प्राप्त होगीद्य साथ ही उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में अनुशासन, स्वस्थता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और महाविद्यालय परिवार महाविद्यालय के चहुमुखी विकास के लिए प्रयासरत हैं। प्राचार्य ने महाविद्यालय के विकास के लिए अभिभावको से सुझाव,सलाह देने के लिए आग्रह किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक नीरज गुर्जर बी ए तृतीय वर्ष का राष्ट्रीय एकता शिविर भागलपुर में 04 से 10 अगस्त तक आयोजित किया गया था कि भागीदारी पश्चात स्वागत किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन में महाविद्यालय के विद्यार्थियों और प्राध्यापक,अधिकारी एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही । डॉ.संदीप नागर द्वारा सुंदर और प्रभावशाली मंच संचालन किया गया एवं डॉ.सीमा सोनी द्वारा अपने विद्यार्थी जीवन के प्रसंग साझा करने के साथ आभार ज्ञापित किया।

गायत्री शक्तिपीठ एवं गायत्री प्रज्ञापीठ पर महाशिवरात्रि पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा एवं उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि महाशिवरात्रि जागरण, साधना, भजन करने की रात्रि है । महाशिवरात्रि का जागरण अपने आप में बड़ा महत्वपूर्ण है । इस रात्रि में जागरण, व्रत एवं साधना करने से पाप का क्षरण होता है एवं पुण्य की प्राप्ति होती है तथा भक्ति व मुक्ति दोनों ही प्राप्त होती है । महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व के अवसर पर 15 फरवरी को प्रातः 07 बजे से भगवान प्रज्ञेश्वर महादेव का रूद्राभिषेक किया जाएगा । प्रातः 08.30 बजे से श्री वेदमाता गायत्री, परम पूज्य गुरूदेव पं.श्रीराम शर्मा आचार्य, वंदनीया माताजी भगवती देवी शर्मा एवं देवोव्हान के साथ पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ होगा साथ ही दीक्षा, यज्ञोपवित, विद्यारंभ सहित विभिन्न संस्कार होंगे । प्रातः 11 बजे गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहूति, आरती एवं प्रसाद का वितरण किया जाएंगा होगा । इसी प्रकार गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर भी प्रज्ञापीठ की संरक्षिका दुर्गा दीदी के सानिध्य में प्रातः 08 बजे से अभिषेक, संगीतमय भजन कीर्तन होंगे एवं प्रसाद का वितरण होगा । गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी महेश पण्डया एवं गायत्री प्रज्ञापीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी राजेन्द्र पोरवाल ने समस्त भावनाशील परिजनों से अनुरोध किया है कि इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें ।

खाती समाज युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने लड्डूमल चौधरी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय चंद्रवंशी खाती समाज, मूर्ति जगदीश मंदिर पंच खातियान पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा खाती समाज युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर श्री लड्डूमल चौधरी को मनोनीत किया गया है। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर चौधरी ने राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एस. वर्मा एवं राष्ट्रीय सचिव मिश्रीलाल चौधरी की सहमति से यह महत्वपूर्ण नियुक्ति की घोषणा की। संगठन ने विश्वास जताया कि श्री लड्डूमल चौधरी के नेतृत्व में युवा संगठन समाज के हित में नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा के साथ कार्य करेगा। नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लड्डूमल चौधरी को समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। श्री चौधरी के मनोनयन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर चौधरी, संगठन महामंत्री एडवोकेट बी.एस. वर्मा, सचिव मिश्रीलाल चौधरी, विधायक मनोज चौधरी, नारायण सिंह चौधरी, बहादुर मुकाती, हुकुम मुकाती, विक्रम मुकाती, जिला पंचायत सदस्य शिवम चौधरी, मुकेश मिर्जापुर, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर लाल मंडलोई, ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मुकेश चौधरी, बलराम चौधरी कैलोद, इंदौर जिलाध्यक्ष योधराज पटेल, धर्मेंद्र चौधरी, जितेंद्र चौधरी, सोहन पटेल, प्रकाश पटेल, राजू अकेला, संदीप चौधरी सहित समाजजनों व स्नेहिजनों ने शुभकामनाएं दीं।

करेली में हुआ मेगा एग्रीकल्चर क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

नरसिंहपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा करेली में मेगा एग्रीकल्चर क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाना, कृषि विकास को बढ़ावा देना तथा उन्हें बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ना था।

कार्यक्रम के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री कुंदन कुमार, लीड बैंक मैनेजर श्री अरुण कुमार सिंह, शाखा प्रबंधक श्री भानु प्रताप सिंह राजपूत, गाडरवारा, नरसिंहपुर, सागोनी, तेंदूखेड़ा, नकटुआ, मुंगवानी, करकबेल, चावरपाठा एवं सिंहपुर शाखाओं के शाखा प्रमुख मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान जिले की सभी शाखाओं द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 20 करोड़ के कृषि ऋण स्वीकृत किए गए। इस अवसर पर नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। किसानों और नागरिकों को शासन की विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं, फसल ऋण, पशुपालन, डेयरी एवं अन्य कृषि संबद्ध गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बैंक अधिकारियों ने किसानों को समय पर ऋण अदायगी, आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने एवं डिजिटल बैंकिंग सेवाओं से अवगत कराया। किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बैंक अधिकारियों ने बताया कि किसान हितैषी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

महाशिवरात्रि पर्व पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर मानस भवन शिव मंदिर बीएनपी गेट राधागंज रोड़ पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर महाशिवरात्रि पर्व बड़े उत्साह एवं श्रद्धापूर्वक मनाया जायेगा।

मानस भवन शिव मंदिर समिति के न्यासी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि शिवजी का स्थान हिन्दु धर्म में बहुत ऊंचा है और एक दृष्टि से सर्वोपरि है । एक शिव जी ही ऐसे देवता बतलाये गये है जो संपत्ति और वैभव के बजाए त्याग और अकिंचनता को वरण करते है । उन्होंने अमृत को त्याग कर गरल को पिया, हाथी तथा घोडे को छोड़कर बैल की सवारी स्वीकार की और हीरा, मोती, रत्नों को त्याग कर सर्प और नरमुण्डों के आभूषण अपनाये । इस प्रकार महाशिवरात्रि का पर्व हमकों लोभ, मोह, लालसा के स्थान पर त्याग, अपरिग्रह और परहित साधना की प्रेरणा व उपदेश देता है ।

महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व के अवसर पर 15 फरवरी को प्रातः 05 बजे से देवाधिदेव भगवान सिद्धेश्वर महादेव का पं. गजेन्द्र शास्त्री के आचार्यत्व में रूद्राभिषेक किया जायेगा । प्रातः 11 बजे से गायत्री शक्तिपीठ की देवकन्याओं द्वारा संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी तत्पश्चात दोपहर 12 बजे महामंगल, महाआरती, महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा । दोपहर 03 बजे से मानस भवन शिव मंदिर महिला मंडल एवं अन्य महिला मंडलों द्वारा भजन, कीर्तन, शाम 07.15 बजे विशेष आरती का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया जायेगा । इस अवसर पर शिवलिंग का बिल्वपत्र, आंकडा व पुष्प से विशेष श्रृंगार किया जायेगा तथा आकर्षण विद्युत सज्जा कर मंदिर को खुबसूरती से सजाया जायेगा।

प्रातः 10.30 बजे से साबूदाने की खिचड़ी का प्रसाद निरंतर वितरित किया जायेगा । इस आयोजन में समिति के दिलीप चव्हाण, दिनेश जोशी, मधुसूदन यादव, देवकरण कारपेंटर, योगेन्द्र भदानिया, राजेन्द्र पंडित, अशोक चौबे, मांगीलाल तिवारी, जगदीशचन्द्र माली, राकेश परते, सुरेशसिंह दरबार, यश राठौड़, निलेश माहेकर, बुद्धाराम, डी. पी. शुक्ला, बजरंगलाल मीणा, राधेश्याम पाटीदार, रमेश पांचाल, मोहित पंड्या, मदनलाल जैन, वासुदेव लिखितकर, अंकुर जायसवाल, रमेशचन्द्र शर्मा आदि ने शहर की धर्मप्रेमी श्रद्धालु जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है ।

मप्र एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2025 लागू

नरसिंहपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा लागू मप्र एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2025 को 24 फरवरी 2025 से प्रभावशील है। यह योजना 24 फरवरी 2025 या उसके बाद वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने वाली विनिर्माण क्षेत्र की एमएसएमई इकाइयों को विशेष सहायता प्रदान करेगी। योजना के तहत नीति की प्रभावशील अवधि में विस्तार, डायवर्सिफिकेशन अथवा तकनीकी उन्नयन करने वाली विद्यमान विनिर्माण इकाइयों को उनके अतिरिक्त पात्र निवेश पर नई औद्योगिक इकाई के समकक्ष सहायता का लाभ मिलेगा। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र नरसिंहपुर ने बताया कि संयंत्र एवं मशीनरी में 10 करोड़ रुपये तक निवेश करने वाली नई औद्योगिक इकाइयों को संयंत्र एवं मशीनरी भवन अतिरिक्त मान्य मदों में किए गए पात्र निवेश पर 40 प्रतिशत उद्योग विकास अनुदान प्रदान किया जाएगा। यह अनुदान चार समान वार्षिक किश्तों में वितरित किया जाएगा। महिला, अनुसूचित जाति (अजा) एवं अनुसूचित जनजाति (अजजा) उद्यमियों द्वारा स्थापित इकाइयों को प्रतिवर्ष 2 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान चार वर्षों तक दिया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर 300 साल बाद बनेगा अद्भुत संयोग

चतुर्ग्रही योग सहित आठ महासंयोगों का दुर्लभ समागम, शिव-पार्वती के साथ लक्ष्मी-नारायण की विशेष कृपा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2026 की महाशिवरात्रि इस बार अत्यंत विशेष और दुर्लभ मानी जा रही है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार लगभग 300 वर्ष बाद ऐसा अद्भुत संयोग बन रहा है, जब महाशिवरात्रि पर चतुर्ग्रही योग के साथ आठ महासंयोगों का समागम हो रहा है।

मान्यता है कि इस दिव्य अवसर पर भगवान शिव एवं माता पार्वती के साथ-साथ भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की भी विशेष कृपा भक्तों पर बरसेगी। श्री सनातन ज्योतिष व अनुष्ठान केंद्र के वैदिक आचार्य पं. संदीप शास्त्री ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का व्रत करने से अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। उनका कहना है कि यदि कोई व्यक्ति वर्षभर कोई व्रत-उपवास न भी करे, लेकिन केवल महाशिवरात्रि का व्रत श्रद्धा और विधि-विधान से कर ले, तो उसे वर्षभर के व्रतों के समान पुण्य प्राप्त होता है। पं. शास्त्री के अनुसार इस वर्ष महाशिवरात्रि पर निम्न आठ प्रमुख योगों का संयोग बन रहा है– चतुर्ग्रही योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, व्यतिपात योग, बुधादित्य योग, लक्ष्मी नारायण योग, शुक्र आदित्य योग, महालक्ष्मी योग,श्रवण नक्षत्र योग।

विशेष रूप से लक्ष्मी नारायण योग और महालक्ष्मी योग के प्रभाव से इस बार महाशिवरात्रि पर माता लक्ष्मी और भगवान नारायण की विशेष कृपा प्राप्त होगी। इन दुर्लभ संयोगों के कारण यह पर्व आमजन के लिए अत्यंत फलदायी और मंगलकारी माना जा रहा है। महाशिवरात्रि की रात्रि में जागरण कर चार प्रहर की पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि ऐसा करने से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। पं. शास्त्री ने पूजा के चार प्रहरों का समय इस प्रकार बताया कि प्रथम प्रहर- सायं 6.39 बजे से रात्रि 9.45 बजे तक, द्वितीय प्रहर- रात्रि 9.45 बजे से 12.50 बजे तक, तृतीय प्रहर- रात्रि 12.50 बजे से प्रातः 3.58 बजे तक एवं चतुर्थ प्रहर- प्रातः 3.58 बजे से 7.05 बजे तक रहेगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया है कि इस दुर्लभ और पावन अवसर पर विधि-विधान से व्रत, पूजन और रात्रि जागरण कर भगवान शिव की आराधना करें तथा इस दिव्य महासंयोग का पुण्य लाभ प्राप्त करें।

किसान कल्याण वर्ष 2026: जिले के प्रत्येक गांव-गांव पहुंच रहा कृषि रथ

नरसिंहपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले के सभी 6 विकासखंडों की प्रत्येक ग्राम पंचायत में कृषि रथ पहुंच रहा है। किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं लाभकारी खेती की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है।

राज्य शासन के निर्देश पर संचालित इस विशेष अभियान में कृषि विभाग के अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों एवं उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ की सक्रिय सहभागिता दे रहे हैं। गांव- गांव पहुंच रहे कृषि रथ ने किसानों को तकनीक से जोड़ते हुए ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन उर्वरक वितरण) से लेकर उन्नत कृषि यंत्रों तक की जानकारी दी जा रही है।

आधुनिक खेती की दिशा में सशक्त मार्गदर्शन- कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की जानकारी, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, फसल विविधीकरण के लाभ, पराली (नरवाई) प्रबंधन के आधुनिक उपाय, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था जैसे विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया गया। किसानों को मिला प्रत्यक्ष लाभ- अभियान के दौरान एक हजार 150 किसानों को सॉइल हेल्थ कार्ड का वितरित किए गए। इसके साथ ही 451 स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई के प्रकरण ऑनलाइन दर्ज किए गए। नरवाई प्रबंधन के लिए 540 सुपर सीडर एवं 17 बेलर के आवेदन भी ऑनलाइन कराए गए। किसानों को स्ट्रॉ रीपर, रीपर- कम- बाइंडर एवं सुपर सीडर जैसे उन्नत कृषि यंत्र वितरित किए गए। इसके अलावा एसएमएएम योजना के अंतर्गत किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर 700 स्प्रे पम्पप प्रदान किए गए।

मेलों से सशक्त होती है संस्कृति और सामाजिक समरसता- मंत्री श्री सिंह

नरसिंहपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने महाशिवरात्रि पर्व पर प्रदेशवासियों एवं जिलेवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्राचीन समय में गांव ही समाज का केंद्र हुआ करते थे और मेलों के माध्यम से लोगों को धर्म, संस्कृति एवं कला से जोड़ा जाता था। नदियों एवं मंदिरों के किनारे लगने वाले मेले तथा गांवों में आयोजित मढ़ई जैसे कार्यक्रम सामाजिक समरसता और आस्था को सुदृढ़ करते हैं।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से नागरिकों और श्रद्धालुओं को तनावमुक्त वातावरण मिलता है, आनंद एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास रहता है कि मेले और धार्मिक कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं बेहतर ढंग से आयोजित हों। बरमान मेला के दौरान साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ संतोषजनक एवं सुव्यवस्थित पाई गईं, जिसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन एवं मेला समिति की प्रशंसा करते हुए बधाई दी।

मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने जिले के गाडरवारा में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर होने वाले तीन दिवसीय डमरूघाटी मेला का विधिवत शुभारंभ किया। अतिथियों ने सर्वप्रथम भगवान श्रीगणेश की पूजन- अर्चन कर प्रदेश एवं जिलेवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। तत्पश्चात मंत्री श्री सिंह ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने बताया कि गाडरवारा में आयोजित डमरूघाटी मेला का आयोजन नगर पालिका परिषद गाडरवारा द्वारा किया जाता है। इस मेले से नागरिकों की गहरी आस्था जुड़ी है। उन्होंने कहा कि मेले को और अधिक व्यवस्थित स्वरूप देने के संबंध में मुख्यमंत्री एवं धर्मस्व विभाग के अधिकारियों से चर्चा की गई है।

मंत्री श्री सिंह ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से व्यवस्थाओं में सहयोग करने तथा आवागमन सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में आयोजित होने वाले सभी छोटे-बड़े धार्मिक कार्यक्रमों में आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाती हैं। राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सांस्कृतिक अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। अंत में उन्होंने बाबा महाकाल से प्रार्थना की कि महाशिवरात्रि पर्व पूरे प्रदेश में सौहार्द एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हो।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा है कि जिले में विभिन्न त्यौहारों को मेले के रूप में मनाने की समृद्ध परंपरा रही है। ये मेले आस्था के प्रमुख केंद्र हैं, जहाँ नागरिक अपने परिवार सहित पहुंचकर धार्मिक श्रद्धा के साथ सामाजिक समरसता का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि जिले का प्रसिद्ध बरमान मेला भी ऐसी ही आस्था और परंपरा का प्रतीक है। इसी प्रकार गाडरवारा स्थित डमरूघाटी मेला का भी ऐतिहासिक महत्व है।

वन स्टॉप सखी सेंटर: पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे मिल रही सहायता

नरसिंहपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) के माध्यम से घरेलू हिंसा एवं अन्य प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रकार की निःशुल्क सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जिला स्तर पर यह केंद्र वर्ष 2018 से निरंतर संचालित है और जरूरतमंद महिलाओं के लिए संबल का केंद्र बना हुआ है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नरसिंहपुर ने जानकारी देते हुए बताया कि वन स्टॉप सखी सेंटर में आने वाली पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को आश्रय सहायता, परामर्श, विधिक सहायता, चिकित्सा सहायता, पुलिस सहायता तथा अन्य आकस्मिक सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। इन सेवाओं का उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को त्वरित संरक्षण एवं पुनर्वास प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025- 26 में एक अप्रैल 2025 से 13 फरवरी 2026 तक कुल 734 पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न विभागों के समन्वित सहयोग से आश्रय, कानूनी एवं अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराकर उनका पुनर्वास सुनिश्चित किया गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद्, बड़नगर जिला–उज्जैन म.प्र.

- Mail:-cmobadnagar@mpurban.gov.in Phone no.: 07367-225060

क्रमांकः– /307/2026/राजस्व बड़नगर दिनांकः12/2/2026

नामांतरण विज्ञप्ति

निम्नलिखित भवन व भूमि स्वामी की और से प्राप्त आवेदन पत्र म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अन्तर्गत स्वतः हस्तांतरण हेतु प्राप्त हुए है। अतः इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर में लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें।नियम अवधि के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क	प्रकरण कमांक	मोहल्ला	पूर्व में जिसका नाम अंकित है।	वर्तमान नामांत्रण होना है।	आधार
1	61x7/2026	54/अ लोकमान्य तिलक पथ	रूस दुनिया पिता पन्नालाल दुनिया	राजेन्द्रसिंह पिता विजयसिंह	विक्रय पत्र शपथ पत्र
2	62x7/2026	373/3 महात्मा गांधी मार्ग	नर्मदा पति टेकचंद	गंगाबाई पति चतुर्भुज	मृत्युप्रमाण पत्र शपथ पत्र आदेश शपथ
3	63x7/2026	361 महात्मा गांधी मार्ग	अमीरूददीन पिता हकीमुददीन	अंसार खान पिता हयात खान आदी	विक्रय पत्र शपथ पत्र
4	64x7/2026	बदनावर रोड	गीताबाई पति रमेशचन्द्र	राधेश्याम पिता रघुनाथ पांचाल	विक्रय पत्र शपथ पत्र
5	65x7/2026	महावीर मार्ग	दिगम्बर जैन महावीर ट्रस्ट	दिगम्बर जैन महावीर ट्रस्ट	भूमि परिवर्तन आदेश शपथ पत्र
6	66x7/2026	149/38 सुर्यान्श पेरेडाइस	नईमुददीन पिता सरफुददीन	ओमप्रकाश पिता भोजशंकर हारोड	विक्रय पत्र शपथ पत्र
7	67x7/2026	149/38 सुर्यान्श पेरेडाइस	नईमुददीन पिता सरफुददीन	कैलाशचन्द्र पिता भागीरथ	विक्रय पत्र शपथ पत्र
8	68x7/2026	52 गोतम स्वामी विहार कालोनी	कृतज्ञ पिता दिलीप बाकलीवाल आदी	प्रेरणा पति मोसम छाबडा	विक्रय पत्र शपथ पत्र
9	69x7/2026	51 गोतम स्वामी विहार कालोनी	कृतज्ञ पिता दिलीप बाकलीवाल आदी	प्रेरणा पति मोसम छाबडा	विक्रय पत्र शपथ पत्र
10	70x7/2026	21 सर्वोदय पथ	मोहम्मद आरिफ पिता मोहम्मद ताहिर	सदाकत बानो पति मोहम्मद आरिफ	विक्रय पत्र शपथ पत्र
11	71x7/2026	161/11 भगवती धाम	ऋषभ जैन पिता अतुल जैन	गीता बाई पति रमेशचन्द्र पांचाल	विक्रय पत्र शपथ पत्र
12	72x7/2026	159/43	आकांक्षा जैन पति अरिहन्त गोधा	राम यादव पिता मुलचंद यादव	विक्रय पत्र शपथ पत्र
13	73x7/2026	महात्मा गांधी मार्ग	रामेश्वर पिता बाबुलाल भावसार	शोभा पति रामेश्वर आदी	मृत्युप्रमाण पत्र शपथ पत्र आदेश शपथ
14	74x7/2026	02 बालकृष्ण बापूजी मार्ग	रामेश्वर पिता बाबुलाल भावसार	शोभा पति रामेश्वर आदी	मृत्युप्रमाण पत्र शपथ पत्र आदेश शपथ
15	75x7/2026	11/1 ब चित्रगुप्त गली	मांगीलाल पिता नाथुलाल आदी	संतोष पति दिलीप परमार	विक्रय पत्र शपथ पत्र
16	76x7/2026	सर्वोदय पथ	आबिद हुसेन पिता मुजफ्फर हुसेन	मोहम्मद साकिर पिता मोहम्मद नासीर	भूमि परिवर्तन आदेश शपथ पत्र
17	77x7/2026	सर्वोदय पथ	भेरूलाल पिता नानूराम राठोड	मुकेश पिता नानूराम राठोड	भूमि परिवर्तन आदेश शपथ पत्र
18	78x7/2026	217 ड्रीमसीटी कालोनी	मेसर्स गिरीराज डेवलपर्स एंड बिल्डर्स	मुकेश पिता विठ्ठलदास साखी	विक्रय पत्र शपथ पत्र
19	79x7/2026	215 ड्रीमसीटी कालोनी	मेसर्स गिरीराज डेवलपर्स एंड बिल्डर्स	साधना पति पुरूषोत्तम साखी	विक्रय पत्र शपथ पत्र
20	80x7/2026	216 ड्रीमसीटी कालोनी	मेसर्स गिरीराज डेवलपर्स एंड बिल्डर्स	अनुप पिता दाउलाल गुप्ता	विक्रय पत्र शपथ पत्र
21	81x7/2026	12 पढरीनाथ कुंड	मनोज पिता लक्ष्मीनारायण	क्षत्रिय राठौड समाज ट्रस्ट	विक्रय पत्र शपथ पत्र
22	82x7/2026	156 का भाग महावीर मार्ग	पुरूषोत्तम पिता मनमोहन सोनी	रूपेश पिता ओमप्रकाश सोनी	विक्रय पत्र शपथ पत्र
23	83x7/2026	जगदीश गली	छोटे खा पिता शहबाज खा	जहुर खां पिता छोटे खा आदी	मृत्युप्रमाण पत्र शपथ पत्र आदेश शपथ
24	84x7/2026	प्रभुकुंज कालोनी	वल्लभा डेवलपर्स आदी	कान्हा राठोर पिता राजाराम राठोर	विक्रय पत्र शपथ पत्र
25	85x7/2026	जवाहर मार्ग	अम्बाराम पिता मांगीलाल सिरवी	मनोरमा बाई पति सत्यनारायण	विक्रय पत्र शपथ पत्र
26	86x7/2026	महात्मा गांधी मार्ग	बद्रीलाल पिता उंकारलाल	मनोरमा बाई पति सत्यनारायण	विक्रय पत्र शपथ पत्र
27	87x7/2026	02 मिर्जा गालिब पथ गली नं 03	नजीरउददीन पिता बशीर उददीन आदी	हुसेनउददीन पिता नजीरउददीन	हकत्याग
28	88x7/2026	नटराज टाकीज के पीछे	इरफान एहमद पिता अब्दुल गफुर	रशीदा बी पति युनुसउदीन	भूमि परिवर्तन आदेश शपथ पत्र
29	89x7/2026	179/136 ड्रीमसीटी कालोनी	मेसर्स गिरीराज डेवलपर्स एंड बिल्डर्स	विजय पिता रंजीत	विक्रय पत्र शपथ पत्र
30	90x7/2026	वृन्दावन विहार कालोनी	मुन्ना पिता नारायण चौधरी आदी	इतिशा पिता राजेश पाटीदार	विक्रय पत्र शपथ पत्र

अभय टोग्या
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद बड़नगर

अनिता सतीश वर्मा
उपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद् बड़नगर

नेहा शांतिलाल गोखरू राजस्व
सभापति
नगर पालिका परिषद् बड़नगर

मशाराम निगवाल
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बड़नगर

एकादशी ताली कीर्तन में श्याम नाम का किया गुणगान

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया विजया एकादशी के अवसर पर शुक्रवार को नगर के शनि धाम स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर दर्शनो हेतु भक्तों का ताता लगा रहा बाबा का फूलों से आकर्षक श्रंगार किया गया मंदिर के पुजारी पंडित हेमंत शर्मा ने उपस्थित श्याम प्रेमियों को एकादशी की बधाई देते हुए एकादशी का महत्व बताया दोपहर 3:00 बजे से एकादशी कीर्तन महिला मंडल ने अखंड ज्योत प्रज्वलित की एवं श्याम भजनों के माध्यम से श्याम नाम का गुणगान किया गया शाम 6:00 बजे महाआरती की गई आरती का लाभ समाजसेवी अरुण शर्मा बाबा ने लिया महाआरती पश्चात अरुण शर्मा द्वारा श्रद्धालुओं को गाजर के हलवे की महाप्रसाद का वितरण किया गया।

एच. आई. व्ही. एड्स जागरूकता

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय गौलाना मे एच.आई.व्ही. एड्स जागरूकता हेतु सुनेरा नेटवर्क ऑफ़ लिविंग विथ एच. आई.व्ही. एड्स सोसायटी के द्वारा विद्यार्थीयों एवं स्टॉफ को जानकारी प्रदान की गई। उपरोक्त जागरूकता हेतु सोसायटी के श्री जगदीश जी चौहान एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों एवं स्टॉफ का मार्गदर्शन कर एच. आई. व्ही. एड्स के लक्षण, कारण एवं बचाव के बारे मे जानकारी प्रदान करते हुए विद्यार्थियों एवं स्टॉफ के प्रश्नों के समुचित उत्तर प्रदान किये। उक्त अवसर पर समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं विद्यार्थीयों की उपस्थिति रही। अंत मे संस्था प्राचार्य डॉ. बी. एस. बिभूति द्वारा सोसायटी के श्री जगदीश चौहान एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों को एच.आई.व्ही. एड्स से बचने का मंत्र एड्स की जानकारी ही बचाव के महत्व को समझाया। जानकारी स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ के जीवनलाल शर्मा द्वारा दी गयी।

पटेल धन सिंह जी को शोक संवेदना व्यक्त करने ग्राम भैसरोद पहुंचे शिव प्रताप सिंह मंडलोई

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया गेहलोद मेवाड़ राजपूत समाज के सामाजिक कार्यकर्ता बड़ा तालाब जल संसाधन के अध्यक्ष श्री ज्ञान सिंह मेवाडा के पिता श्री स्वर्गीय पटेल धन सिंह जी मेवाड़ा का पिछले दिनों देहांत हो गया था जहां आज भैंसरोद गांव स्थित उनके निवास पर अकोदिया नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह मंडलोई सीएमओ समंदर सिंह जी चौहान सरपंच विक्रमसिंह की मेवाड़ अंबिका बोरवेल एजेंसी के संचालक हुकुम सिंह मेवाडा पूर्व पार्षद कमल सिंह जी मेवाड़ा पूर्व पार्षद भगवत सिंह जी मेवाड़ा सरपंच बहादुर सिंह मेवाड़ा गेहलोद मेवाड़ राजपूत समाज के केंद्रीय मिडिया प्रभारी नरेंद्र सिंह राजपूत भाजपा मीडिया प्रभारी रोशन मेवाड़ा सहित अनेक सामाजिक गाना आज उनके निवास पहुंचे और छायाचित्र में विराजमान स्वर्गीय पटेल साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण कर शोक संवेदना व्यक्त कर श्रद्धा सुमन अर्पित की परिवार जनों से को ढांढस बंधाया।

प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें - कलेक्टर श्री सिंह

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से राजस्व प्रकरणों के निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, किसानों के ई-केवयासी, खसरे में आधार लिंकिंग आदि प्रकरणों पर तहसीलवार चर्चा कर कहा कि शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। इसके अलावा राजस्व वसूली, भू-अर्जन, भूमि आवंटन के प्रकरणों में प्रगति लाने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व प्रकरणों की पेंडेंसी खत्म करने के लिये आरसीएमएस में रोजाना दर्ज होने वाले प्रकरणों से अधिक का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों दिये। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में तत्परता बरतने की हिदायत देते हुये कहा कि शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण और आवेदक की संतुष्टि के साथ किया जाये। इसके अलावा बैठक में संकल्प से समाधान, राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरण, गेहूं उपार्जन की तैयारी, अवैध उत्खनन पर आवश्यक कार्यवाही, आरआरसी वसूली, अनुभाग स्तर पर अंतर्विभागीय समन्वय बैठक करनें, छात्रावासों में छात्र संसद का गठन करने, अस्पतालों के अकसमिक निरीक्षण, पीडीएस के सतत् निगरानी व महाशिवरात्रि पर्व के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में प्रत्येक तहसील से बड़े बकायादारों की जानकारी लेकर कहा कि उनसे भू-भाटक प्रीमियम जमा करायें, किसी भी स्थिति में यह माफ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम 100 दिन से अधिक की शिकायतों की समीक्षा करें और इस संबंध में तहसीलदारों की भी बैठक करें। साथ ही सिकमी की ओटीपी के संबंध में भी किसान संघो के साथ बैठक करने के निर्देश दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड सहित सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे। फील्ड स्तर के अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े थे।

नगर परिषद उन्हेल द्वारा किया गया 1.02 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि पूजन

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद उन्हेल द्वारा वार्ड क्रमांक 03 में पशु हाट के समीप महिदपुर करनावद रोड़ पर सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत राशि रुपए 85.27 लाख एवं हरित क्षेत्र (पार्क निर्माण) कार्य लागत राशि रुपए 17.01 लाख इस प्रकार कुल राशि 1 करोड़ 02 लाख 28000 हजार से होने वाले निर्माण कार्य का भूमि पूजन तथा नगर की पेयजल परियोजना व नाला निर्माण एवं कार्यालय भवन निर्माण कार्यों का निरीक्षण क्षेत्रीय विधायक सतीश मालवीय के मुख्य आतिथ्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हलकारा, उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष राजकुमार जैन, पार्षद नागेश माली, संजय शिंदे, नासिर शाह, पार्षद प्रतिनिधि योगेश यति, मनोहर लाल ढोढरिया, उमेश जाट, गोविंद नंदेडा, भाजपा से पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विपट, उपाध्यक्ष, दिलीप मोदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष मंगेश वर्मा, नंदराम धाकड़, दिलीप मेहता, अविनाश विपट, तेजुलाल जटिया, रामेश्वर आंजना, कमल आंजना मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय देवड़ा एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने ली बरगी बांध और नहर प्रणाली की समीक्षा बैठक

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बरगी बांध की दायीं और बायीं तट नहरों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों से बांध की गैलरी में हो रहे रिसाव और नहर वितरण प्रणाली की पूरी जानकारी ली। विशेष रूप से 1 फरवरी को दायीं तट नहर में हुई टूट और उसके वर्तमान मरम्मत कार्यों का जायजा लिया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जब किसान लंबे समय से रिसाव की सूचना दे रहे थे, तो समय रहते मरम्मत क्यों नहीं की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नहर मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से करें। किसान समितियों के चुनाव और नहर सफाई पर विशेष जोर नहरों के प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कलेक्टर श्री सिंह ने जल उपभोक्ता संथाओं के नियमित निर्वाचन कराने के लिए कहा। इसके साथ ही नहरों की साफ-सफाई और सिस्टम करेक्शन के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान यह तय किया गया कि आगामी 28 फरवरी 2026 को कलेक्टर कार्यालय में जल उपभोक्ता संथाओं के अध्यक्षों और विभाग के अधिकारियों के बीच एक समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अलावा बरगी बांध में सीपेज को ठीक कराने के संबंध में बैठक भी बुलाने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि नहरों की साफ-सफाई और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि अंतिम छोर तक पानी पहुँच सके।

नरसिंह, वामन और श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग की दिव्य झांकियों के साथ माता-पिता की महिमा का भावपूर्ण वर्णन

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनकामेश्वर महादेव महिला मंडल एवं सर्व महिला मंडल, उन्हेल के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में कथा वाचक पंडित श्री हरि ओम जी पाराशर के श्रीमुख से विभिन्न दिव्य अवतारों एवं लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक वर्णन किया गया।

कथा के दौरान नरसिंह अवतार का मार्मिक प्रसंग एवं उसका सजीव नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया गया, जिसमें भगवान श्रीहरि द्वारा भक्त प्रह्लाद की रक्षा हेतु खंभे से प्रकट होकर हिरण्यकशिपु का संहार करने की लीला का मंचन हुआ। इस अद्भुत दृश्य को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और संपूर्ण परिसर जयकारों से गूंज उठा।

इसी क्रम में वामन अवतार का प्रेरणादायी प्रसंग सुनाते हुए भगवान विष्णु द्वारा वामन रूप धारण कर राजा बलि से तीन पग भूमि मांगकर धर्म और मर्यादा की स्थापना का संदेश दिया गया।

कथा में वासुदेव-देवकी प्रसंग, श्रीकृष्ण जन्म एवं यशोदा मैया के वात्सल्य की मनोहारी झांकियों ने भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। श्रीकृष्ण जन्म की झांकी के समय वातावरण ÷नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की÷ के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

इस अवसर पर गुरुदेव ने माता-पिता की महिमा का भी अत्यंत भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि माता-पिता ही संतान के प्रथम गुरु होते हैं। उनकी सेवा और सम्मान से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त होती है तथा जो संतान माता-पिता की सेवा करती है, उस पर सदैव ईश्वर की कृपा बनी रहती है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बहादुर सिंह बोरमुंडला, नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हल्कारा एवं उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय , द्वारकाधीश सोनी, साथ ही श्रीमद् भागवत कथा समिति के सचिन पाटनी, राधेश्याम नांदेड़ा, वैभव जैन, गोपाल टंडन, दीपक मंडवलिया, राजेश धाकड़,ललित भंतु, सुरेश सांखला, जियाजी आबार, संदीप मेहता,रामलाल नांदेड़ा,अनिल जैन, संजय जैन, आलोक पाठक, राजेश जायसवाल, दिनेश पटेल, योगेश ठाकुर, डॉ अरुण सोनी, डॉ जितेंद्र परमार, दीपक नांदेड़ा, सरवन सिंह ठाकुर, आकाश वर्मा, पवन साखला, संजय गहलोत, राहुल सोनी, नितेश जैन लाला, डॉ राकेश पांचाल एवं टीकम सिंह देवड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

महिला मंडल द्वारा आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन की नगरवासियों ने सराहना की। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति, संस्कार और पारिवारिक मूल्यों की प्रेरणा मिल रही है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कथा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है।

वन अपराधों की प्रभावी रोकथाम एवं न्यायालयीन प्रकरणों हेतु कार्यशाला आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामान्य वनमण्डल झाबुआ अंतर्गत रेंज झाबुआ, थांदला एवं पेटलावद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए वन अपराधों के अन्वेषण, जांच तथा न्यायालयीन कार्यवाही के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन वन विद्यालय झाबुआ में किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ वनमण्डलाधिकारी झाबुआ श्री भारत सोलंकी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर हाल ही में दुर्घटना में स्वर्गवासी हुए वनपाल श्री बापू सिंह बिलवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया।

कार्यशाला में कार्ययोजना क्रियान्वयन, अवैध अतिक्रमण, अवैध उत्खनन, अवैध कटाई एवं अवैध चराई जैसे वन अपराधों के प्रकरणों की विवेचना, जांच एवं प्रभावी न्यायालयीन प्रस्तुतिकरण के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वनमण्डलाधिकारी श्री सोलंकी ने विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि क्षेत्रीय कर्मचारियों के लिए विधिक प्रावधानों एवं प्रक्रियाओं का समुचित ज्ञान अत्यंत आवश्यक है, जिससे प्रकरण न्यायालय में सुदृढ़ रूप से प्रस्तुत किए जा सकें।

जिला लोक अभियोजन अधिकारी सुश्री सूरज बैरागी ने न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले वन अपराध प्रकरणों में प्रायः होने वाली त्रुटियों, प्रकरण पंजीयन की प्रक्रिया, साक्ष्य संकलन, बयान दर्ज करने की विधि, परिवाद प्रस्तुत करने की प्रक्रिया तथा न्यायालयीन सुनवाई के दौरान गवाही एवं प्रति-परीक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

इसके पश्चात वृत खंडवा से सेवानिवृत्त वन संरक्षक श्री रमेश गनावा ने इकोसिस्टम सर्विसेज, ट्री आउट ऑफ फॉरेस्ट, कार्बन क्रेडिट एवं कार्बन सिंक जैसे विषयों पर जानकारी प्रदान की। साथ ही अनुदेशक, वन विद्यालय झाबुआ द्वारा अवैध अतिक्रमण प्रकरणों को विधिसम्मत ढंग से तैयार करने में बरती जाने वाली सावधानियों, वन सीमा विवाद में नक्शों के मिलान एवं सीमांकन की प्रक्रिया पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

कार्यशाला में परिक्षेत्र अधिकारी झाबुआ, थांदला एवं पेटलावद सहित संबंधित परिक्षेत्र सहायक एवं बीटगार्ड उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य वन अपराधों की प्रभावी रोकथाम एवं विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित करना रहा।

बड़वानी जिले की महिलाएं बनें बीमा सखी एवं लिखे आत्मनिर्भरता का नया अध्याय

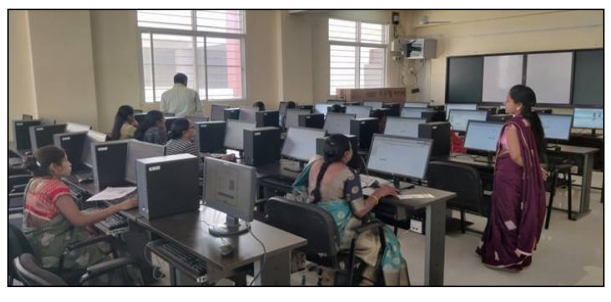

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की मंशानुसार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा बीमा सखी योजना चलाई जा रही है। इस योजना का लाभ उठाकर बड़वानी जिले की महिलाएं बीमा सखी बनकर स्वयं का रोजगार स्थापित कर रही हैं। 14 फरवरी को भारतीय जीवन बीमा निगम बड़वानी एवं सेंधवा ब्रांच द्वारा मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बीमा सखी बनने हेतु चिन्हित महिलाओं की परीक्षा का आयोजन शासकीय कन्या महाविद्यालय बड़वानी एव भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यकाल सेंधवा में किया गया। इस परीक्षा में कुल 123 बीमा सखियों ने प्रतिभाग किया और 91 बीमा सखी उत्तीर्ण हुई हैं। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने उत्तीर्ण सभी बीमा सखियों को बधाई दी है और उन्हें बीमा सखी बनकर आर्थिक रूप से सशक्त बन आत्मनिर्भर बनने और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। साथ ही जिले की पात्र महिलाओं से बीमा सखी योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया है। इस योजना के तहत, 18 वर्ष से 70 वर्ष तक की महिलाएं, जो न्यूनतम 10वीं पास हैं, बीमा सखी बन सकती हैं। बीमा सखी बनने पर, महिलाओं को पहले 3 वर्ष तक निश्चित मानदेय दिया जाएगा। प्रथम वर्ष में 7 हजार प्रति माह, द्वितीय वर्ष में 6 हजार प्रति माह, और तृतीय वर्ष में 5 हजार प्रति माह का मानदेय दिया जाएगा। यह मानदेय कार्य निष्पादन के आधार पर दिया जाएगा।

गुना में संयुक्त कार्रवाईः बंधक श्रमिक परिवार को कराया गया मुक्त

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन एवं श्रम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में ग्राम सोठी निवासी एक परिवार को बंधक श्रम की स्थिति से मुक्त कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरनाम सहरिया, उनकी पत्नी उर्मिला एवं चार बच्चों को ग्राम आचकलपुर में पिछले लगभग 8 माह से बंधक बनाकर कार्य कराया जा रहा था।

शिकायत मिलने पर कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर जिला श्रम अधिकारी आशीष तिवारी के नेतृत्व में संयुक्त छापामार कार्रवाई कर परिवार को सुरक्षित मुक्त कराया गया। कलेक्टर श्री कन्याल ने संबंधित आरोपी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही मुक्त श्रमिकों को 30-30 हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई तथा श्री आशीष कुमार तिवारी श्रम पदाधिकारी को बंधक श्रमिकों के पुनर्वास हेतु निर्देशित किया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बंधक श्रम जैसी अमानवीय प्रथा के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

कलेक्टर श्री कन्याल ने पंजीयन कार्य सुचारू रूप से कराये जाने अधिकारियों को सौपें दायित्व

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री किशोर कन्याल के द्वारा किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए एवं किसानों के पंजीयन कार्य सुचारू रूप से कराये जाने हेतु जिले में स्थापित 35 पंजीयन केन्द्रों पर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किये गये हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार उपार्जन केन्द्र विकासखण्ड गुना में सेवा सहकारी समिति मर्या0 ढोलाबाज में श्री बृजेश त्यागी, मारकीमऊ में श्री परमाल, चकदेवपुर में श्री रविन्द्र मोर्य, म्याना में श्री कल्याण सिंह, पगारा में श्री सोनू, बरखेडा गिर्द में श्रीमती ज्योति धाकड़, विपणन सहकारी समिति गुना में श्री साहनूल पठान,विकासखण्ड आरोन में सेवा सहकारी समिति मर्या0 खामखेडा में श्रीमती रश्मि धाकड, खजूरी में सुश्री मोनिका जयंत, सालय में श्री रवि मीना, देहरीकलां में श्री शिवराम चंदेल, पनवाडीहाट में श्री रवि मीना, विपणन सहकारी समिति मर्या0 आरोन में श्रीमती आशा विशोरिया,विकासखण्ड बमोरी में सेवा सहकारी समिति मर्या0 कालोनी में श्री राजेश मल्होत्रा, चीमरामपुर में श्री दिलीप कुमार, बमोरी में श्री राजेन्द्र प्रसाद, पाडोन में श्री निर्मल पंथी, सेवा सहकारी समिति परवाह में श्रीमती प्रतिभा सिकरवार, विकासखण्ड राघौगढ एवं तहसील मधुसूदनगढ अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्या0 मधुसुदनगढ में श्री संजीव मीना, उकावद में श्री हालिया मेडा, जामनेर में श्री रविन्द्र ठाकुर आदी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने व्हीएचएसएनडी सत्रों का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल द्वारा शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (व्हीएचएसएनडी) अंतर्गत आयोजित सत्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र खच्चरटोड़ी, झाराडाबर तथा तांदलादरा का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सत्र में प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता का अवलोकन किया गया। इसमें गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, एचबीएनसी (होम बेस्ड न्यूबॉर्न केयर) विजिट, सिकल सेल जांच, आयुष्मान कार्ड संबंधी कार्यवाही, टीकाकरण तथा गैर संचारी रोगों से संबंधित अभिलेखों का परीक्षण किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा सीएचओ, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं को सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

भ्रमण के दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र भायल एवं जिला सीपीएचसी सलाहकार श्री कैलाश चरपोटा भी उपस्थित रहे। निरीक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी उपलब्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करना रहा।

बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन, रैली एवं जुलूस पर प्रतिबंध

विदिशा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक विदिशा के प्रतिवेदन के आधार पर जिले में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा बिना सक्षम अनुमति धरना-प्रदर्शन, झापन, रैली, जुलूस, पुतला दहन एवं अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने के प्रकरण संज्ञान में आए हैं। ऐसे आयोजनों के कारण यातायात व्यवस्था बाधित होने, विधि-विरुद्ध गतिविधियों की संभावना तथा आपसी वैमनस्य एवं अशांति उत्पन्न होने की आशंका व्यक्त की गई है।

उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए अपर कलेक्टर एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट श्री अनिल कुमार डामोर द्वारा पुलिस अधीक्षक के प्रस्ताव से सहमति व्यक्त करते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर लोक शांति,मानव जीवन एवं आमजन की सुरक्षा के हित में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

प्रतिबंधात्मक आदेश के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं - प्रतिबंध अवधि में बिना सक्षम अनुमति किसी भी प्रकार की रैली, वाहन रैली, जुलूस, पुतला दहन, धरना-प्रदर्शन, सामूहिक प्रदर्शन, चक्का जाम आदि गतिविधियां आयोजित नहीं की जाएंगी।

सार्वजनिक स्थानों पर 04 या अधिक व्यक्तियों का समूह बनाकर प्रदर्शन अथवा एकत्रीकरण प्रतिबंधित रहेगा।

ऐसे किसी भी कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा जिससे कानून-व्यवस्था, शांति या यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना हो।

बिना अनुमति पुतला दहन या सामूहिक विरोध प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

इन आयोजनों पर नहीं रहेगा प्रभाव - यह आदेश पारिवारिक सदस्यों के कार्यक्रम, विवाह समारोह, बारात एवं शवयात्रा पर प्रभावशील नहीं होगा।

आदेश की अवधि एवं दंड प्रावधान - यह आदेश 13 फरवरी 2026 से प्रभावी होकर आगामी दो माह की अवधि तक प्रभावशील रहेगा। आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 (2) के अंतर्गत एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है, क्योंकि वर्तमान परिस्थितियों में सर्वसाधारण को सुनवाई हेतु समुचित समय प्रदान किया जाना संभव नहीं है।

आदेश के उल्लंघन की स्थिति में भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 223 तथा अन्य विधिक प्रावधानों के अंतर्गत संबंधित व्यक्ति, संस्था अथवा संगठन के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

आदेश का प्रचार-प्रसार - आदेश की सूचना ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में प्रसारित की जाएगी। साथ ही इसकी प्रति कलेक्ट्रेट कार्यालय के सूचना पटल, समस्त उपखंड मजिस्ट्रेट, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायतध्नगर पालिकाध्पंचायत तथा समस्त थाना कार्यालयों के सूचना पटल पर चस्पा की जाएगी। ग्राम स्तर पर भी सार्वजनिक स्थलों पर आदेश की प्रति चस्पा की जाएगी। आदेश न्यायालय में पदमुद्रा सहित पारित एवं उद्घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहना योजना की राशि अंतरित की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ. मोहन यादव द्वारा खंडवा से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना अंतर्गत माह फरवरी 2026 की राशि का अंतरण एक क्लिक के माध्यम से किया गया। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में कुल 1836 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिले से देखा गया जिसमें जिले की 1 लाख 90 हजार से अधिक पात्र महिलाओं के खातों में 28 करोड़ 13 लाख रुपये से अधिक की राशि सीधे अंतरित की गई। जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री आर.एस. बघेल द्वारा हितग्राही महिलाओं को प्रतीकात्मक रूप से चेक प्रदान किए गए। उपस्थित महिलाओं ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस योजना को महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का सतत प्रयास किया जा रहा है।

राजस्व कार्यों में लापरवाही पर दो पटवारी निलंबित

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुविभागीय अधिकारी गुना श्रीमति शिवानी पाण्डेय द्वारा राजस्व वसूली एवं शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर दो पटवारियों को निलंबित कर दिया गया है। नायब तहसीलदार वृत्त म्याना द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

जारी आदेशानुसार पटवारी श्री राधेश्याम शर्मा द्वारा लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली नहीं की गई तथा सीमांकन,सीएम हेल्पलाइन, फार्मर आईडी एवं अन्य राजस्व कार्यों में भी लापरवाही पाई गई। इसी प्रकार पटवारी श्री रविंद्र आर्य द्वारा भी निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अत्यंत कम वसूली की गई और शासकीय कार्यों के प्रति उदासीनता बरती गई।

दोनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के प्रावधानों के उल्लंघन का मामला पाया गया। इसके आधार पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए दोनों पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय कानूनगो शाखा, तहसील गुना नियत किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। निलंबन अवधि में संबंधित हल्कों का अतिरिक्त प्रभार पटवारी श्री नवीन रघुवंशी एवं श्री सुनील रघुवंशी को सौंपा गया है।

एसआईआर कार्य को निष्ठापूर्वक पूर्ण करने पर कलेक्टर बीएलओ से हुईं रूबरू

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मतदाता पुनरीक्षण कार्य एसआईआर के समापन अवसर पर सागरताल जलालपुर रोड स्थित संयुक्त अनुविभागीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान बीएलओ से रूबरू हुईं। साथ ही एसआईआर का कार्य निष्ठापूर्वक पूर्ण करने पर उन्हें बधाई दी। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के समापन पर सागरताल जलालपुर रोड स्थित संयुक्त अनुविभागीय कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान शामिल हुईं।

इस अवसर पर कलेक्टर ने बीएलओ से चर्चा की और उनका अनुभव जाना। कर्मचारियों द्वारा एसआईआर कार्य को बेहतर तरीके से पूर्ण करने पर सभी को बधाई दी। इसके बाद वहां पर प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने बीएलओ के साथ बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद, एसडीएम श्री प्रदीप कुमार शर्मा, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रदीप तोमर, श्री मुनीष सिकरवार सहित तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नवनिर्मित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

पोहरी में निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 334 मरीजों का हुआ परीक्षण

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के पोहरी अनुभाग अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोहरी में 14 फरवरी शनिवार को रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन शिवपुरी एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋक्षीश्वर के मार्गदर्शन तथा बीएमओ डॉ. दीक्षांत गुधेनिया के नेतृत्व में आयोजित शिविर प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित हुआ। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा ग्रामीणजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। शिविर में कुल 334 मरीजों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 57 मरीजों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर अथवा सर्जरी हेतु चिन्हित किया गया। नेत्र रोग (मोतियाबिंद) के 31 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 4 मरीज ऑपरेशन हेतु चयनित किए गए। साथ ही 9 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। विशेष जांच सेवाओं के अंतर्गत 80 व्यक्तियों की एनसीडी संबंधी जांच, 90 व्यक्तियों की आईसीटीसी जांच, 17 व्यक्तियों की मलेरिया जांच तथा 81 अन्य रोगों की जांच की गई। शिविर में 143 व्यक्तियों के एक्स-रे भी किए गए।

डीजे व तेज ध्वनि पर सख्ती, त्योहारों में शांति-सद्भाव बनाए रखने के निर्देश

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी तीन माह में होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं समन्वित संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक गुना श्री पन्नालाल शाक्य, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित सोनी, अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन,उपवन मंडल अधिकारी श्री नीरज निश्चल (भा.व.से.) सहित समिति सदस्य उपस्थित रहे।

इस दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि जिले की पहचान एक शांतिप्रिय व विकसित जिले के रूप में बनी है। आगामी त्योहारों के दौरान प्रशासन व नागरिक मिलकर शांति और सद्भाव बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने हाल में दो श्रमिकों को मुक्त कर सहायता राशि प्रदान किए जाने और एक बालिका के गले में सिक्का फंसने जिसको कल सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया गया। जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रशासन सतत तत्पर है। इस संबंध में एसडीएम एवं थाना स्तर पर भी आवश्यक बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आगामी मेलों व आयोजनों को लेकर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सभी प्रमुख आयोजनों व चल समारोहों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा संवेदनशील स्थलों पर सिविल ड्रेस में भी पुलिस कर्मी लगाए जाएंगे।

समिति सदस्यों ने जुलूस मार्ग पूर्व निर्धारित करने, जयस्तंभ चौराहा क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने, होलिका दहन का समय तय करने तथा तेज ध्वनि वाले डीजे पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के सुझाव दिए।

विधायक श्री शाक्य ने भी डीजे पर नियंत्रण, समय-सीमा का पालन तथा नियम उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

केरल के दल ने विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर से की उनके निवास पर चर्चा

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर शहर में केरल के जनप्रतिनिधियों का एक दल भ्रमण कर शहर विकास के कार्यों का अवलोकन कर रहा है। दल द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ शनिवार को नगर निगम द्वारा संचालित आदर्श गौशाला लाल टिपारा का भी अवलोकन किया। केरल का यह दल दो दिवस तक शहर में भ्रमण कर शहर की ऐतिहासिक धरोहरों का अवलोकन करने के साथ-साथ आमजनों के हितार्थ शासन द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी अवलोकन करेगा।

केरल से आए जनप्रतिनिधियों के दल ने शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के निवास पर जाकर उनसे भेंट की तथा मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किए जा रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही ग्वालियर-चंबल संभाग के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की। यह दल नगर निगम द्वारा संचालित आदर्श गौशाला लाल टिपारा भी पहुँचा। उन्होंने गौशाला में निराश्रित गायों की देखभाल के कार्यों का अवलोकन किया एवं संत लोगों से विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा गौशाला परिसर में संचालित सीएनजी प्लांट का भी अवलोकन किया। केरल से आए दल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर निगम द्वारा निर्मित किए गए सागरताल स्थित आवासों का भी अवलोकन किया एवं निवास कर रहे नागरिकों से चर्चा की।

इसके साथ ही नगर निगम द्वारा संचालित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के संचालन का भी अवलोकन किया। दल द्वारा ग्वालियर के ऐतिहासिक दुर्ग पर संचालित लाइट एण्ड साउण्ड कार्यक्रम का भी अवलोकन करने के साथ-साथ ग्वालियर किले का भ्रमण भी किया। केरल से आया यह दल 15 फरवरी को पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के निवास स्थान शिंदे की छावनी पहुँचकर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही संचालित लाइब्रेरी का भी अवलोकन करेंगे। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी द्वारा ग्वालियर में संचालित कंट्रोल कमाण्ड सेंटर का अवलोकन करेंगे।

केरल का दल परिषद भवन का अवलोकन और पार्षदों से करेगा चर्चा- केरल से आया जनप्रतिनिधियों का दल रविवार को ग्वालियर के जलविहार में संचालित परिषद भवन का भी अवलोकन करेगा। इसके साथ ही परिषद संचालन के संबंध में पार्षदगणों से भी चर्चा करेगा। दल के साथ बाल भवन के सभागार में पार्षदगणों से चर्चा भी की जायेगी। नगर निगम द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों का प्रजेंटेशन भी होगा। इस मौके पर प्रदेश की नगरीय विकास राज्य मंत्री, महापौर, सभापति, सभी पार्षदगण एवं निगम के अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल के पट खुले, रात 2.30 बजे भस्म आरती से शुरू हुआ महाशिवरात्रि महापर्व

रात 12 से लगी दर्शन के लिए कतारें, 2000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात, 44 घंटे लगातार होंगे बाबा महाकाल के दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी उज्जैन में महाशिवरात्रि का उल्लास चरम पर है। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 2.30 बजे मंदिर के पट खुलते ही भस्म आरती के साथ महापर्व की शुरुआत हो गई। रात 3 बजे से श्रद्धालुओं के दर्शन का सिलसिला शुरू हो गया, जो लगातार 44 घंटे तक जारी रहेगा।

महाशिवरात्रि पर्व आज रविवार को मनाया जाएगा, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ शनिवार रात 12 बजे से ही मंदिर परिसर में उमड़ने लगी थी। आधी रात से ही लंबी कतारें लग गई थीं। मंदिर प्रशासन के अनुसार 16 फरवरी को रात 10.30 बजे शयन आरती के बाद रात 11 बजे मंदिर के पट बंद किए जाएंगे। तब तक भक्त निरंतर बाबा महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। इस दौरान गर्भगृह में अभिषेक-पूजन का क्रम भी सतत चलता रहेगा।

25 से 40 मिनट में दर्शन का लक्ष्य- करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने व्यापक एक्शन प्लान तैयार किया है। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा ने स्वयं मंदिर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि श्रद्धालुओं को 25 से 40 मिनट के भीतर दर्शन कराए जाएं।

चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा, ड्रोन से निगरानी

महाशिवरात्रि के दौरान पूरे शहर में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू है।

-2000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात

-250 पुलिसकर्मी वीआईपी ड्यूटी में

-150 महिला पुलिसकर्मी महिलाओं की सुरक्षा के लिए

-200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे

-5 ड्रोन कैमरे और एआई आधारित निगरानी

-महाकाल मंदिर, प्रमुख मार्गों और स्नान घाटों पर सख्त नजर रखी जा रही है।

दिनभर ऐसे रहेगा पूजन और आरती का क्रम

मंदिर के पुजारी आशीष गुरु के अनुसार महाशिवरात्रि पर विशेष पूजन-अनुष्ठान का विस्तृत कार्यक्रम तय किया गया है। इसमें

सुबह 7.30 बजे बालभोग (दद्योदक)।

सुबह 10.30 बजे भोग आरती।

दोपहर 12 बजे तहसील की ओर से शासकीय पूजन।

शाम 4 बजे होलकर व सिंधिया स्टेट की ओर से पूजा। शाम 7.30 बजे संध्या आरती, गर्म मीठे दूध का भोग लगाया जाएगा। शाम 7 बजे से कोटितीर्थ कुंड के समीप स्थित कोटेश्वर महादेव मंदिर में महापूजा आरंभ होगी।

महानिशा काल में होगी महापूजा

रात 11 बजे से गर्भगृह में महानिशा काल की विशेष महापूजा शुरू होगी, जो अगले दिन सुबह तक चलेगी।

इस दौरान भगवान महाकाल का पंचामृत, फलों के रस, गुलाब जल और भांग से अभिषेक किया जाएगा।भगवान को सप्तधान अर्पित कर सवामन फल-फूलों का पुष्प मुकुट सजाया जाएगा। सोने-चांदी के आभूषणों से विशेष श्रृंगार होगा और बिल्व पत्र व चांदी के सिक्के न्योछावर किए जाएंगे।

दोपहर 12 बजे विशेष भस्म आरती

सेहरा दर्शन के बाद साल में एक बार दिन में दोपहर 12 बजे विशेष भस्म आरती होगी। इसके बाद भोग आरती और शिवनवरात्र का पारणा किया जाएगा। रात 10.30 बजे शयन आरती और 11 बजे पट बंद होने के साथ ही महाशिवरात्रि महापर्व का समापन होगा।

धर्म और आस्था के इस महासागर में उज्जैन एक बार फिर शिवमय हो गया है। हर-हर महादेव के जयघोष के साथ श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन कर स्वयं को धन्य मान रहे हैं।

परिवार लौटा तो टूटा मिला मकान का ताला

अतिरिक्त विश्व बैंक कॉलोनी में चोरी की वारदात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शादी में शामिल होने गया परिवार शनिवार को वापस लौटा दो मकान का ताला टूटा हुआ था। घर में समान अस्त व्यस्त पड़ा था। परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के कनीपुरा मार्ग पर अतिरिक्त विश्व बैंक कॉलोनी में सुरेश पवार का मकान बना हुआ है। शुक्रवार को परिवार शादी में शामिल होने के लिए राजस्थान गया था, शनिवार दोपहर वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा मिला। रात में बदमाशों में चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया था। मामले की सूचना पुलिस को दी गई लेकिन महाशिवरात्रि की ड्यूटी होने पर पुलिस जांच के लिए मौके पर नहीं पहुंच पाई। सूचना पर पुलिस ने परिवार को खाने जाकर शिकायत दर्ज करने के लिए कहा। पवार परिवार का पुत्र सुमित चिमनगंज थाने पहुंचा और मामले की शिकायत दर्ज कराई। बदमाश आभूषणों के साथ 45,000 रुपए चुरा कर ले गए है। महाशिवरात्रि की ड्यूटी खत्म होने के बाद पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटेगी। शहर में चोरी की वारदातों का सिलसिला शुरू हो चुका है कुछ दिन पहले ही महानंदा नगर और बसंत विहार कॉलोनी में चोरी की बड़ी वारदात हुई थी। उसे दौरान कैमरे के फुटेज देखे गए थे जिसमें दो बदमाशों के साथ एक युवती एक्टिवा पर सवार होकर मकान के ताले तोड़ते दिखाई दी थी। तीनों का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है।

निनोरा में खेतों पर चोरों का धावा- चोरी की एक वारदात नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के निनोरा में होना सामने आएंगे। रात में चोरों की गैंग क्षेत्र के खेतों में पहुंची थी जहां से उन्होंने पानी की मोटर और उसमें लगी केबल चोरी करना शुरू किया। चोरों ने करीब 18 किसानों के खेतों में वारदात की और भाग निकले। शनिवार सुबह चोरी का पता चलते ही किसान आक्रोशित हो गए और नानाखेड़ा थाना पहुंचकर शिकायत की। पुलिस मनोरा पहुंची और खेतों में जांच शुरू की आसपास कहीं भी कैमरे नहीं लगे थे जिसके चलते बदमाशों का पता नहीं चल पाया फिलहाल किसानों से शिकायती आवेदन लिया गया है।

अदभूत, अविश्वसनीय, अकल्पनीय 650 लाख वर्ष पुराने डायनासोर के अण्डे और जांघ की हड्डी रही आकर्षण का केंद्र

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दशहरा मैदान पर आयोजित वन विभाग के श्री महाकाल वन मेले में लगे वन मंडल धार के डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान के एक स्टॉल पर लगभग 650 लाख वर्ष पुराने डायनासोर के अण्डे और जांघ की हड्डी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। श्री महाकाल वन मेले में मध्य प्रदेश के धार जिले के बाग़ और कुक्षी क्षेत्र के लगभग 650 लाख वर्ष पुराने (मास्ट्रिशिएन युग) में टाइटेनोसोरस के जीवाश्म अंडे और जांघ की हड्डी को देखने के लिए लोगों की उत्सुकता बनी हुई है। विशेषज्ञों ने इन गोल पत्थरों की जांच के बाद पुष्टि की कि ये करोड़ों साल पुराने डायनासोर के अंडे हैं, जो मुख्य रूप से टाइटेनोसोरस प्रजाति के हैं।

पानी से भरा लोटा और गमछा से साइटिका/सर्वाइकल का कर रहे इलाज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वन विभाग द्वारा आयोजित श्री महाकाल वन मेले में सेवा देने आए नाडी वैद्य श्री धरम सोनी साइटिका/सर्वाइकल जैसी बीमारी का उपचार मात्र पानी से भरा एक लोटा और गमछा से कर रहे है। इस पारंपरिक पद्धति से हो रहे उपचार से मेले में आने वाले लोग लाभांवित भी हो रहे है। वैद्य श्री सोनी कई अन्य बीमारियों का उपचार भी कर रहे है।

जबलपुर के मढ़ी में रहने वाले नाड़ी वैद्य श्री धरम सोनी बताते है कि वे वर्षो पहले सुनार का काम किया करते थे। उस दौरान एक गंभीर बीमारी से ग्रसित होने के बाद सब कुछ छोडकर जंगल चले गए थे जहां मिली चमत्कारी जड़ी-बुटियों से वह स्वस्थ हो गए। वापस लौटने पर पारंपरिक रुप से पानी से भरा लोटा और गमछा से उपचार की पद्धति को समझा और फिर लोगों का उपचार करने में जुट गए। वैद्य श्री सोनी ने बताया कि नसों में ब्लाकेज, नस दबी होना, रक्त संचार सही नही होना, शरीर में झुंझुनाहट के मरीज प्राय- उनके पास उपचार के लिए आते है। जिसे साइटिका/ सर्वाइकल भी कहा जाता है। वेद्य श्री सोनी द्वारा उक्त रोगों का उपचार मात्र 10 से 20 मिनट में एक लोटा पानी और गमछे के माध्यम से किया जाता है। इसमें कोई मंत्र या जड़ीबुटी नहीं दी जाती है। इस प्रक्रियां से 15 से 20 मिनट में पूरी तकलीफ दूर हो जाती है। शनिवार दोपहर महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा भी वैद्य श्री सोनी से उपचार करवाया गया।

केंद्रीय जेल भैरवगढ के बंदी हो रहे आत्मनिर्भर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दशहरा मैदान पर वन विभाग द्वारा आयोजित 6 दिवसीय वन मेले में अकाष्ठीय वनोपज, ग्रामीण आजीविका, हर्बल उद्यमिता, संरक्षण, प्रसंस्करण और विपणन के स्टॉल के साथ ही केंद्रीय जेल भैरवगढ़ के बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों को मेले में आने वाले लोग पसंद कर रहे है। विभिन्न उत्पादों के माध्यम से जेल के बंदी अब आत्मनिर्भर बन रहे है।

वन विभाग द्वारा आयोजित 06 दिवसीय श्री महाकाल वन मेले में 250 भव्य, आकर्षक स्टॉल लगाए गए हैं। मेला परिसर में केंद्रीय जेल भैरवगढ़ का स्टॉल भी लगा है। केंद्रीय जेल भैरवगढ़ के सहायक जेलर श्री सुरेश गोयल ने बताया कि जेल में बंदी कलाकारों द्वारा बनाई गई पीपल के पत्ते पर चित्रकला को लोगों द्वारा पसंद किया जा रहा है। पीपल के पत्ते को सुखाकर उस पर देवी-देवता और महापुरुषों के चित्र उकेरे जाते है। पीपल के पत्ते पर निर्मित आकर्षक चित्रकारी फ्रेमिंग सहित 350 रूपए में उपलब्ध होती है। श्री गोयल ने बताया कि चित्रकारी का काम करीब 20 बंदियों द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा एलइडी बल्ब, विभिन्न मसाले, दरी, बेडशीट, आसन, बटिक प्रिंट और मूर्तियां बनाकर मेले और अन्य अवसरों पर विक्रय किया जाता है। जिससे जेल में बंदी भी आत्मनिर्भर हो रहे है।

वन मेले में आयुष विभाग द्वारा निशुल्क परामर्श और उपचार की सुविधा - श्री महाकाल वन मेला- 2026 के अंतर्गत जिला आयुष विभाग के माध्यम से मेले में 50 स्टॉल लगाकर निशुल्क परामर्श के साथ ही आयुर्वेदिक औषधियां दी जा रही है। विभाग के आयुर्वेदिक चिकित्सकों और स्टाफ के सदस्यों द्वारा 02 शिफ्ट में कार्य कर मेले में आने वाले रोगियों का उपचार किया जा रहा है।

महाशिवरात्रि पर उज्जैन की सड़कों ने बढ़ाई श्रद्धालुओं की मुश्किलें

चौड़ीकरण और सीवरेज कार्य के बीच जाम, धूल और गड्ढों से जूझता रहा महाकाल क्षेत्र

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आस्था की नगरी उज्जैन में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं, लेकिन इस बार श्रद्धा की इस यात्रा में सड़कों की बदहाली बड़ी बाधा बनकर सामने आई है। पुराने शहर के नागरिक पिछले कई महीनों से अधूरे सीवरेज और सड़क चौड़ीकरण कार्य की दोहरी मार झेल रहे हैं, वहीं महाशिवरात्रि पर बाहर से आने वाले भक्तों को भी जाम, धूल और गड्ढों से होकर गुजरना पड़ा।

महाकाल मंदिर क्षेत्र के आसपास एक साथ कई निर्माण कार्य चल रहे हैं। सड़कों की खुदाई के बाद लंबे समय तक उन्हें अधूरा छोड़ दिए जाने से हालात और बिगड़ गए हैं।

आगर-मक्सी मार्ग से आने वाले श्रद्धालु गाड़ी अड्डा से बियाबानी, खजूर वाली मस्जिद, कोयला फाटक, निजातपुरा और कोतवाली रोड होते हुए कंठाल तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण की रफ्तार धीमी होने से जगह-जगह गड्ढे और धूल के गुबार दिखाई दे रहे हैं।

वाहन चालकों को बार-बार जाम, फिसलन और दुर्घटना के खतरे से जूझना पड़ रहा है, जबकि पैदल चलने वालों के लिए स्थिति और भी अधिक कठिन बनी हुई है।

बड़नगर रोड और चिंतामण मार्ग पर भी असर- बड़नगर रोड की ओर से आने वाले श्रद्धालु छोटे पुल के निर्माण और चिंतामण मार्ग पर चल रहे ब्रिज व सड़क निर्माण कार्य के कारण सीधे महाकाल क्षेत्र तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। वैकल्पिक मार्गों पर भी दबाव बढ़ने से ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई हुई नजर आई।

इंदौर रोड और देवास रोड पर भी जाम- इंदौर रोड से नानाखेड़ा और शांति नगर होकर गुजरना भी आसान नहीं रहा। यहां भी सड़क चौड़ीकरण के कारण कई हिस्सों में मार्ग खुदे पड़े हैं। देवास रोड से आने वाले भक्तों को अभिलाषा कॉलोनी से नागझिरी तक खुदाई के चलते खराब सड़कों से गुजरना पड़ा। वहीं इंदौर रोड सिक्स लेन निर्माण कार्य के कारण पिछले एक वर्ष से जाम की समस्या बनी हुई है, जो महाशिवरात्रि पर और अधिक बढ़ गई।

आम दिनों में भी लग रहा जाम- स्थिति यह है कि बाहरी मार्गों से लेकर आंतरिक सड़कों तक चौड़ीकरण और सीवरेज कार्य के कारण आवागमन सुगम नहीं रह गया है। आम दिनों में भी महाकाल मंदिर के चारों ओर पहुंच मार्गों पर जाम की स्थिति बन रही है। महाशिवरात्रि की सुबह से ही खुदी हुई सड़कों के आसपास ट्रैफिक का दबाव बढ़ता दिखाई दिया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और अधूरी निर्माण व्यवस्थाओं ने शहर की यातायात व्यवस्था को चुनौतीपूर्ण बना दिया।

नागरिकों में रोष- स्थानीय नागरिकों का कहना है कि त्योहार से पहले निर्माण कार्यों की रफ्तार तेज की जानी चाहिए थी या कम से कम प्रमुख मार्गों को अस्थायी रूप से समतल कर सुगम बनाया जाना चाहिए था। प्रशासन की ओर से ट्रैफिक प्लान तो तैयार किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर सड़कों की स्थिति बड़ी चुनौती बनी हुई है।

महाशिवरात्रि पर 250 क्विंटल अतिरिक्त लड्डू प्रसाद तैयार

पिछले वर्ष दो दिन में 70 लाख की रिकॉर्ड आय, इस बार आंकड़ा और बढ़ने की उम्मीद, अतिरिक्त कर्मचारी तैनात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने इस बार विशेष तैयारियां की हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए 250 क्विंटल अतिरिक्त लड्डू प्रसाद तैयार किया गया है। मंदिर की लड्डू निर्माण यूनिट में आम दिनों की तुलना में अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

मंदिर समिति के अनुसार, महाशिवरात्रि पर दर्शन के साथ-साथ लड्डू प्रसादी की भी रिकॉर्ड बिक्री होती है। गत वर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर मात्र एक दिन में 50 लाख रुपये से अधिक के लड्डू प्रसाद की बिक्री हुई थी। वहीं दो दिनों में करीब 200 क्विंटल लड्डुओं की खपत हुई थी, जिससे मंदिर प्रशासन को 70 लाख रुपये से अधिक की आय प्राप्त हुई थी।

कर्मचारी जुटे प्रसाद निर्माण में- लड्डू निर्माण यूनिट के प्रभारी पीयूष त्रिपाठी ने बताया कि सामान्य दिनों में यूनिट में 30 कर्मचारी कार्य करते हैं, लेकिन महाशिवरात्रि पर्व को देखते हुए अतिरिक्त कर्मचारियों को लगाया गया है। इस प्रकार यह कर्मचारी दिन-रात प्रसाद निर्माण में जुटे हुए हैं ताकि किसी भी श्रद्धालु को प्रसाद से वंचित न रहना पड़े।

श्रद्धालुओं का आगमन बढ़ा- महाकाल लोक के निर्माण के बाद से उज्जैन में श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। श्रावण और अधिक मास में लगभग एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचे थे। इसका सीधा प्रभाव शहर के व्यापार, परिवहन, होटल और स्थानीय बाजारों पर भी पड़ा है।

शहर की अर्थव्यवस्था को भी मिलती है गति- महाशिवरात्रि के दौरान न केवल मंदिर परिसर बल्कि पूरे शहर में रौनक रहती है। परिवहन सेवाएं, होटल व्यवसाय, फूल-माला, पूजन सामग्री और अन्य स्थानीय व्यापारियों की बिक्री में भी भारी इजाफा होता है। लड्डू प्रसाद की रिकॉर्ड बिक्री से मंदिर प्रशासन की आय में भी निरंतर वृद्धि हो रही है।

इस बार नए रिकॉर्ड की उम्मीद- मंदिर प्रशासन को उम्मीद है कि इस बार महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्ष से अधिक रहेगी। इसी को देखते हुए 250 क्विंटल अतिरिक्त लड्डू प्रसाद काउंटरों पर उपलब्ध कराया गया है। प्रशासन का मानना है कि इस वर्ष प्रसादी बिक्री के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट सकते हैं।

पोहा फैक्ट्री के सेल्समैन ने किया 46 लाख का गबन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पोहा फैक्ट्री में काम करने वाले सेल्समैन ने 3 साल में 46 लाख की हेरा फेरी कर दी संचालक को पता चला तो पहले रुपए लौटाने का आश्वासन दिया बाद में काम छोड़कर लापता हो गया। संचालक की शिकायत पर पुलिस ने गबन का प्रकरण दर्ज किया है। मक्सीरोड औद्योगिक क्षेत्र स्थित समकित इंडस्ट्रीज पोहा, परमल और अनाज का व्यापार करती है।

इसके संचालक रेणु जैन और श्रेयस जैन है। निजातपुरा नजरअली रोड निवासी रेणु जैन ने वर्ष 2022 में मूलतः मक्सी के पास के दोता गांव के रहने वाले गिरीश शर्मा पिता भारत शर्मा को इंडस्ट्रीज में सेल्समैन रखा था। गिरीश नागझिरी थाना क्षेत्र की मंगल सिटी में रहता है। उसके जिम्मे आसपास के इलाकों में माल की सप्लाई और कैश कलेक्शन का जिम्मा था। इंडस्ट्रीज की सप्लाई उज्जैन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ आगर-मालवा और शाजापुर में की जाती थी। वर्ष 2022 से 2025 तक सेल्समेन गिरीश ने 46 लाख का माल सप्लाई किया लेकिन कलेक्शन राशि इंडस्ट्रीज में जमा नहीं कराई। संचालक श्रेयश जैन रुपए जमा करने को कहा तो उसने आश्वासन देना शुरू कर दिया। कुछ माह पहले वह काम छोड़कर लापता हो गया। संचालक द्वारा मामले की शिकायत पुलिस से की गई पुलिस ने जांच के बाद सेल्समैन के खिलाफ गबन और धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है अब उसकी तलाश की जा रही है एक टीम उसकी तलाश में मक्सी भेजी जाएगी।

मंगलनाथ मंदिर में बड़ा हादसा टला, लाल पत्थर के गेट की फर्शियां गिरीं

सिंहस्थ 2016 से पहले पीडब्ल्यूडी ने कराया था निर्माण, शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ सुधार, गेट पूरी तरह बंद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार सुबह मंगलनाथ मंदिर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मुख्य प्रवेश द्वार के पास बने लाल पत्थर के गेट की फर्शियां अचानक भरभराकर गिर गईं। गनीमत रही कि जिस हिस्से की फर्शियां गिरीं, वह गेट पहले से बंद था। यदि वहां आवाजाही जारी रहती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

बताया जा रहा है कि वर्ष 2014 में सिंहस्थ 2016 की तैयारियों के तहत पीडब्ल्यूडी द्वारा लाखों रुपये की लागत से लाल पत्थरों से यह मुख्य गेट बनवाया गया था। इसके साथ ही फर्शियां भी लगाई गई थीं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से गेट जर्जर हो गया था और पत्थर गिरने लगे थे। स्थिति को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने पहले ही गेट के एक हिस्से को बंद कर दिया था और श्रद्धालुओं की आवाजाही साइड वाले रास्ते से कराई जा रही थी। शनिवार सुबह बंद हिस्से की फर्शियां अचानक गिर गईं। तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद श्रद्धालु घबरा गए और कुछ देर के लिए भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

मंदिर प्रशासक और पुजारियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और पानी पिलाकर शांत कराया गया। प्रशासन का कहना है कि गेट से लगातार पत्थर गिरने की शिकायत संबंधित विभाग को कई बार लिखित में दी गई थी, लेकिन समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई। फिलहाल पूरे गेट को एहतियातन बंद कर दिया गया है। घटना की जानकारी एसडीएम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है। मंदिर प्रशासन ने जल्द से जल्द तकनीकी जांच और मरम्मत की मांग की है, ताकि भविष्य में कोई बड़ा हादसा न हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन को ध्यान में रखकर बनाए गए निर्माण की गुणवत्ता पर अब सवाल उठ रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए जिम्मेदार विभाग को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

सोलर प्लांट में लगी केबल चोरी में फरार आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोलर प्लांट में लगी कॉपर केबल चोरी मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों के साथी को 13 दिन पहले पुलिस ने ग्राहक बनकर पकड़ा था। चारों ने प्लांट में मजदूरी के दौरान चोरी को अंजाम दिया था। मकडोन थाना प्रभारी अरिजीत सिंह राजपूत ने बताया कि जनवरी माह में ग्राम कड़ोदिया पहाड़ी पर बने सोलर प्लांट की 1200 मीटर कॉपर केबल चोरी होने का मामला सामने आया था। कुछ दिनों की तलाश के बाद 1 फरवरी को पुलिस ने ग्राहक बनकर चोरी में शामिल एक आरोपी अमीन पिता फकीर मोहम्मद निवासी कड़ोदिया को गिरफ्तार कर लिया था। उसने अपने तीन साथियों के साथ चोरी करना कबूल किया था। पुलिस ने रिमांड लेकर 49 हजार की केबल बरामद कर ली थी। उसके तीन साथी फरार चल रहे थे जिनकी तलाश जारी थी। शुक्रवार को सूचना प्राप्त हुई कि पैतीसा डेम क्षेत्र के पास फरार तीन आरोपी घूम रहे हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना की गई। घेराबंदी कर तीनों को पकड़ा गया। जिनके नाम बलवंत पिता केसरसिंह राजपूत 25 वर्ष, देवेन्द्र पिता विक्रमसिंह राजपूत और समीर पिता नबी खां 20 वर्ष, निवासी बागरी मोहल्ला कडोदिया है। तीनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। चारों ने सोलर प्लांट से केवल चोरी करने के बाद पैतीसा डैम के समीप ही छुपाई थी।

चेकिंग अभियान में मिले 40 संदिग्ध, थानों में पूछताछ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पर देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह से अलर्ट हो चुकी है। शहर में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में 40 संदिग्धों को पकड़ा गया, जिनसे संबंधित थानों में पूछताछ की जा रही है।

रविवार-सोमवार को महाकाल के दरबार में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। इससे पहले देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए शहर में पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया जा रहा है और बीडीडीएस के साथ क्राइम ब्रांच, साइबर टीम संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चला रही है। महाकालेश्वर मंदिर के आसपास के क्षेत्र, देवासगेट बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, नानाखेड़ा बस स्टैंड के साथ पारदी डेरों सहित संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान 40 से अधिक संदिग्ध लोगों को पकड़ा गया और उन्हें पूछताछ के लिए संबंधित स्थान पर भेजा गया। सार्वजनिक स्थानों पर हुई चेकिंग के साथ ही पुलिस की टीम द्वारा होटल, ढाबो और दुकानों पर भी सर्चिंग की गई। होटल धर्मशाला और लाज संचालकों को हिदायत दी गई की बिना दस्तावेज किसी को भी रूम उपलब्ध न कराया जाए। संदिग्ध व्यक्ति के दिखाई देने पर तत्काल संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी जाए। संयुक्त रूप से पुलिस टीम द्वारा की जा रही चेकिंग के दौरान विस्फोटक सामग्री की भी जांच पड़ताल की जा रही है। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए महाकाल मंदिर क्षेत्र में 1500 पुलिस कर्मियों की तैनाती की जा रही है, पांच ड्रोन के माध्यम से भीड़ नियंत्रण और बदमाशों पर नजर भी रखी जाएगी। जिले में त्योहारों को देखते हुए शांति भंग करने वाले और सौहार्द बिगड़ने वालों की भी धरपकड़ का अभियान चलाया जा रहा है।

नईखेडी और चिंतामन गणेश को जोड़ने वाली उज्जैन बाईपास रेलवे लाइन को मिली मंजूरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय रेलवे के अंतर्गत पश्चिमी रेलवे मंडल की नईखेडी-चिंतामन गणेश को जोड़ने वाली उज्जैन बाईपास रेलवे लाइन को स्वीकृक्ति प्रदान कर दी है। परियोजना वर्ष 2028 में प्रस्तावित सिंहस्थ कुंभ मेले को ध्यान में रखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विशेष रूप से उज्जैन जंक्शन पर ट्रेनों के रिवर्सल की समस्या को समाप्त करेगी।

बायपास लाइन बनने से तीर्थयात्रियों को सीधे और तेज रेल संपर्क मिलेगा। साथ ही महाकाल सहित अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंच और सुगम होगी। रेलवे ने रेल नेटवर्क को मजबूत करने और यात्रियों को बेहतर सुविधा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। भारतीय रेलवे ने राज्य में कई

महत्वपूर्ण ढांचागत परियोजनाओं को स्वीकृक्ति प्रदान की है। इन योजनाओं से न केवल ट्रेनों की परिचालन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि माल ढुलाई, क्षेत्रीय संपर्क और धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। भारतीय रेलवे के अंतर्गत पश्चिमी रेलवे ने नईखेरी चिंतामन गणेश को जोड़ने वाली 8.60 किलोमीटर लंबी उज्जैन बाईपास रेलवे लाइन को 189.04 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृति दी है। यह परियोजना विशेष रूप से उज्जैन जंक्शन पर ट्रेनों के रिवर्सल की समस्या को समाप्त करेगी। अभी कई ट्रेनों को दिशा बदलने के लिए उज्जैन स्टेशन पर रुककर रिवर्सल करना पड़ता है, जिससे समय और परिचालन क्षमता दोनों प्रभावित होते हैं। बाईपास लाइन बनने से यह प्रक्रिया खत्म होगी और ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम हो सकेगी।

क्षेत्रीय विकास को मिलेगा बल - रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं से मालगाड़ियों की आवाजाही भी अधिक व्यवस्थित होगी, जिससे औद्योगिक क्षेत्रों को लाभमिलेगा। यात्रा समय में कमी, समयपालन में सुधार और भीड़भाड़ में कमी जैसे सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। इन स्वीकृतियों को मध्य प्रदेश के रेल ढांचे के आधुनिकीकरण की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

बेहतर संपर्क और विश्वसनीय सेवा से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई रफ्तार मिलेगी।